साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 244 | जौनपुर, शुक्रवार, 31 मई 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

सिसोदिया को नहीं मिल रही राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने मनीष सिसोदिया और अन्य आरोपियों की न्यायिक हिरासत 6 जुलाई तक बढ़ा दी है। इससे पहले मनीष सिसोदिया और अब समाप्त हो चुके उत्पाद शुल्क नीति मामले में एक अन्य आरोपी की न्यायिक हिरासत 31 मई तक बढ़ा दी थी। कथित दिल्ली शराब घोटाला मामले में सिसोदिया अन्य सह –आरोपियों के साथ न्यायिक हिरासत में हैं। सिसोदिया अब खत्म हो चुकी दिल्ली शराब आबकारी नीति 2021–22 में कथित अनियमितताओं से संबंधित जांच में आरोपी हैं। मामले में आठ घंटे की लंबी पूछताछ के बाद पिछले साल फरवरी में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने उन्हें गिरफ्तार किया था। एक महीने बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी उन्हें इस मामले में 9 मार्च को गिरफ्तार कर लिया। वह फिलहाल दोनों मामलों में न्यायिक हिरासत में हैं। 17 मई को ईडी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि उसने दिल्ली शराब नीति मामले में आम आदमी पाटी को आरोपी बनाया है। यह बयान अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू ने आप नेता और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ईडी द्वारा उनकी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर शीर्ष अदालत में सुनवाई के दौरान दिया। यह मामले में ईडी की नौवीं पूरक चार्जशीट थी। जांच एजेंसी द्वारा दिल्ली उच्च न्यायालय को मामले में आप को आरोपी नामित करने के अपने इरादे के बारे में सूचित करने के दो दिन बाद यह घटनाक्रम हुआ।

मनी लान्ड्रिंग मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को एक बड़ी कार्रवाई की। नोएडा सेक्टर 18 के मशहूर ग्रेट इंडिया पैलेस (जीआईपी) मॉल समेत पर मनोरंजन सेवाएं देने वाली कंपनी पर कानूनी शिकंजा कसा गया है। जीआईपी मॉल के कुछ हिस्से को अटैच किया गया है। ईडी ने इंटरनेशनल एम्यूजमेंट लिमिटेड (आई आर एल की होल्डिंग कंपनी) से संबंधित 290 करोड़ की संपत्तियां कुर्क की हैं। इसके दायरे में जीआईपी मॉल भी आया है। एंटरटेनमेंट सिटी लिमिटेड के तहत आने वाला नोएडा का जीआईपी मॉल करीब 3,93,737.28 स्क्वायर फुट की कमर्शियल जगह पर बना है। हर दिन बड़ी संख्या में लोग मॉल में घूमने और शॉपिंग करने पहुंचते हैं। ऐसे में ईडी की यह कार्रवाई किसी झटके से कम नहीं है। ईडी का शिकंजा रोहिणी के एडवेंचर आइलैंड पर भी कसा है।

झूठा वादा करके ठगा

इंटरनेशनल एम्यूजमेंट लिमिटेड पर आरोप है कि उसने गुरुग्राम के सेक्टर 29 और 52 ए में दुकानें/अन्य स्थान आवंटित करने का वादा करके लगभग 1,500 निवेशकों से 400 करोड़ रुपये से अधिक एकत्रित किए।

योगी सरकार के बुलडोजर ने पूरे उत्तर प्रदेश में गुंडाराज को खत्म कर दिया

लखनऊ, संवाददाता। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी 2024 के लोकसभा चुनाव अभियान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का चेहरा हैं, लेकिन चुनाव के महत्वपूर्ण सातवें और अंतिम चरण में पूर्वांचल की सीटों पर पार्टी के लिए योगी आदित्यनाथ काफी अहम हो गए है। मोदी ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में सार्वजनिक बैठकों में आदित्यनाथ की प्रशंसा करके गेंद को घुमा दिया। योगी सरकार के बुलडोजर ने उत्तर प्रदेश में गुंडाराज को खत्म कर दिया है, उन्होंने घोसी में एक सार्वजनिक बैठक में कहा, जिसमें मऊ सदर विधानसभा क्षेत्र शामिल है, जहां से गैंगस्टर से नेता बने मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी 2022 में चुने गए थे। मोदी ने भ्रष्टाचार और आपराधिक तत्वों के खिलाफ अपने अभियान को आगे बढ़ाने के लिए योगी प्रशासन की भी सराहना की। उन्होंने यह भी कहा कि योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद उत्तर प्रदेश में किए गए विकास कार्य आजादी के बाद से अद्वितीय हैं। उत्तर प्रदेश में भाजपा के लिए आदित्यनाथ एक बड़ा लाभ रहे हैं और लगातार चुनावों में उनके समर्थन आधार में सेंध लगाई है। 1990 के दशक में मंडल आयोग की रिपोर्ट लागू होने के बाद, समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी जैसी क्षेत्रीय पार्टियों का यूपी में दबदबा हो गया। समय बीतने के साथ, अपना दल, निषाद पार्टी और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी जैसी छोटी पार्टियों ने भी ओबीसी जातियों पर पकड़ के साथ पूर्वी यूपी में जड़ें जमा लीं।

स्पष्ट बहुमत के साथ सरकार बनाएगा 'इंडिया' गठबंधन – मल्लिकार्जुन खड़गे

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने लोकसभा चुनाव के प्रचार के आखिरी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा वार किया है। खड़गे ने कहा कि 18वीं लोकसभा के लिए यह चुनाव लंबे समय तक याद रखा जाएगा क्योंकि इस चुनाव में देश का हर नागरिक जाति, पंथ, धर्म, क्षेत्र, लिंग, भाषा को भूलकर लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए एक साथ आया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और भाजपा के नेताओं ने धार्मिक और विभाजनकारी मुद्दों पर लोगों को गुमराह करने के अनगिनत प्रयास किए। इसके बावजूद जनता ने मुद्दों को चुना और हमने मुद्दों पर वोट मांगा। खड़गे ने दावा किया कि हमें विश्वास है कि 4 जून 2024 को इस देश की जनता एक नई वैकल्पिक सरकार को जनादेश देगी। इंडिया गठबंधन पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगा और हम सब मिलकर इस देश को एक समावेशी राष्ट्रवादी विकास वादी सरकार देंगे और हम सबको साथ लेकर आगे बढ़ेंगे।

टीएमसी विपक्षी दलों को प्रचार से रोकने के लिए प्रशासन का दुरुपयोग कर रही – शुभेंदु

कोलकाता, एजेंसी । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने बुधवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस विपक्षी दलों को चुनाव में समान लोकतांत्रिक अधिकार के इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिए प्रशासनिक मशीनरी का दुरुपयोग कर रही है। अधिकारी ने कहा कि दक्षिण 24 परगना जिला पुलिस यादवपुर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी को भांगर विधानसभा क्षेत्र में जनसभा आयोजित करने की अनुमति देने से इनकार कर रही है। उन्होंने कहा, "तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी के नियंत्रण वाली पुलिस प्रत्येक प्रत्याशी के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने में विश्वास नहीं करती। "भांगर में हमारी एक जनसभा तय थी, जिसे मुझे संबोधित करना था और प्रशासन ने एक दिन पहले तक इस पर कोई आपत्ति नहीं जताई। हालांकि, हमारे

उम्मीदवार को बताया गया कि 100 मीटर की दूरी पर तृणमूल कांग्रेस की जनसभा होने के कारण भाजपा की जनसभा को अनुमति नहीं दी जा सकती। विडंबना यह है कि 500 घ्मीटर के दायरे में तृणमूल कांग्रेस की कोई जनसभा नहीं हो रही है। भाजपा द्वारा निर्वाचन आयोग से हस्तक्षेप की अपील के बावजूद, उसने हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया तथा मामले को पुलिस एवं स्थानीय प्रशासन पर छोड़ दिया।

बीजेपी 140 से ज्यादा सीटें नहीं जीतेगी - अखिलेश

लखनऊ, संवाददाता। लोकसभा चुनाव के प्रचार के अखिरी दिन अलग–अलग चुनावी सभा को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि ये लोग पिछले 6 चरणों का चुनाव देख कर के लड़खड़ा गए हैं, ना केवल खुद लड़खड़ाए हैं अब ऐसे लड़खड़ाए हैं कि उन्हें छड़ी भी बचा पाएगी। घोसी में यादव ने कहा कि इस बार देश की 140 करोड़ जनता, इनको 140 सीटों के लिए तरसा देगी, क्योंकि इन्होंने किसानों को धोखा दिया, नौजवानों को धोखा दिया, माताओं बहनों के धोखा दिया। इन तीनों का त्रिकोणीय वार इन पर होने जा रहा है। अखिलेश ने कहा कि 2022 के चुनाव में राशन में क्या क्या दे रहे थे और आज क्या दे रहे है, कटौती हो गई कि नहीं? समाजवादी पार्टी और गठबंधन ने तय किया है जहां राशन बढ़ेगा, मात्रा बढ़ाएंगे, पौष्टिक आटा देंगे, और डाटा देने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि इलेक्टोरल बॉन्ड से बीजेपी वालों का बैंड बज

गया है। इन्होंने बड़े बड़े लोगों को नहीं छोड़ा, इन्होंने वैक्सीन वालों से भी वसूली कर ली। सुनने में आया जिन्होंने वैक्सीन लगवा ली है उन्हें बीमारी होने जा रही है। सपा नेता ने कहा कि हम अपने किसान भाइयों को कह के जा रहे हैं कि इंडिया गठबंधन ने तय किया है कि ये बड़े लोगों का कर्ज माफ कर सकते हैं तो जब सरकार बनेगी हम अपने किसान भाइयों और गरीबों का कर्ज माफ करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारा नौजवान नौकरी के लिए दर दर भटक रहा है, सरकारी नौकरी नहीं मिल रही, आरक्षण के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। जो लोग आरक्षण से खिलवाड़ कर रहे हैं उनको जनता इस बार छोड़ेगी नहीं, उनको सबक सिखाने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि रिजल्ट आ रहा है 4 जून को, उस दिन मंगल का दिन है, उस दिन मंगल होगा। जो लोग झूठ बोल रहे हैं जनता को धोखा दे रहे हैं वो लोग PDA और गठबंधन से घबराए हुए हैं। मैं लोगों से अपील करना चाहता हूं कि लोकतंत्र को बचाने के लिए, अपने भविष्य को बेहतर बनाने के लिए...इंडिया गठबंधन की मदद करें। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में 1 लाख किसानों ने आत्महत्या की, इतने युवाओं की नौकरियाँ चली गईं। बीजेपी ने रोजगार न देने का रिकॉर्ड बनाया। इंडिया गठबंधन आश्वासन देता है कि हम रोजगार देने का रिकॉर्ड बनाएंगे। बीजेपी 140 से ज्यादा सीटें नहीं जीतेगी।

मुल्क बाबा साहेब के संविधान से चलेगा

पंजाब, एजेंसी। पंजाब के होशियारपुर में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने एक चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा कि यह देश उनके भगवान से नहीं, संविधान से चलेगा। आप सांसद ने कहा कि इस देश का संविधान 144 करोड़ लोगों को हक देता है। संविधान कहता है कि हिंदू, सिख, मुसलमान सभी को देश में पूरे हक से जीने का अधिकार है। किसान, दलित, अगड़ा, पिछड़ा, सवर्ण हर किसी को पूरे हक से इस देश में जीने का अधिकार है।

उन्होंने कहा, मैं देश के प्रधानमंत्री से कहना चाहता हूं कि यह देश बाबा साहेब के संविधान से चलेगा, किसी नरेंद्र मोदी के भगवान से नहीं। देश में तानाशाही चल रही है, चुनाव खत्म किया जा रहा है। सूरत में भाजपा ने एक प्रत्याशी का अपहरण कर लिया और वे चुनाव हुए बिना ही जीत गए। चंडीगढ़ मेयर चुनाव में हुए धांधली का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ में हमारा (आम आदमी पार्टी) मेयर जीता था, लेकिन हमारे वोट चुराकर भाजपा वालों ने अपना मेयर बना दिया। मैं भारत के सुप्रीम कोर्ट को धन्यवाद देना चाहता हूं। उन्होंने कहा, ष्सीजेआई ने कहा था कि भाजपा वालों तुमने बेईमानी की है, आम आदमी पार्टी का मेयर जीता है और आम आदमी पार्टी का मेयर बनेगा।

कांग्रेस ने हमेशा सनातन का अपमान किया - मोहन यादव

झारखंड, एजेंसी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने झारखंड के दुमका में प्रचार–प्रसार के दौरान कांग्रेस को निशाने पर लिया। उन्होंने कांग्रेस पर सनातन धर्म का अपमान करने का आरोप लगाया। दुमका से भाजपा प्रत्याशी सीता सोरेन और राजमहल संसदीय क्षेत्र के प्रत्याशी ताला मरांडी के समर्थन में चुनावी जनसभाओं को संबोधित करते हुए सीएम मोहन यादव ने कांग्रेस को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में एक तरफ देश की पहचान मिटाने पर आमादा अंग्रेजी मानसिकता में डूबी कांग्रेस जैसी पार्टियां हैं, तो दूसरी तरफ पीएम मोदी का सक्षम नेतृत्व है, जो देश को उसका प्राचीन गौरव और वैभव दिलाने के लिए संकल्पित है। वह दिन दूर नहीं है, जब नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया का नंबर एक देश बनेगा। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि इसके नेताओं ने सिर्फ झूठ बोलकर

भारत की जनता को भ्रम में रखने की कोशिश की है। इनके घोटालों और लूट की लिस्ट लंबी है। दूसरी तरफ प्रधानमंत्री मोदी न खाऊंगा, न खाने दूंगा का नारा देकर लूट और भ्रष्टाचार को खत्म करने में जुटे हैं। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन के नेता अपने बच्चों और परिवार के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने पूरे भारत को अपना परिवार माना है।

लोकसभा चुनाव 2024 अंतिम चरण के मतदान से पहले अखिल भारतीय विश्वकर्मा महासंघ आर उत्तर प्रदेश ने एनडीए को समर्थन दिया

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। यूपी प्रेस क्लब में अखिल भारतीय विश्वकर्मा महासंघ आर उत्तर प्रदेश ने लोकसभा चुनाव 2024 के अंतिम चरण के मतदान से पहले नरेंद्र मोदी भाजपा और एनडीए गठबंधन को समर्थन देने का ऐलान कर दिया है। महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ जयंत के एम ने विश्वकर्मा समाज को संदेश देते हुए कहा कि पीएम मोदी ने विश्वकर्मा सम्मान योजना शुरू की और सीएम योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में श्रीराम मंदिर में दक्षिण भारत के मूर्तिकार योगी को प्रभु श्रीराम की मूर्ति बनाने का अवसर दिया जो विश्वकर्मा समाज के लिए गौरव की बात है इसलिए विश्वकर्मा महासंघ पीएम मोदी भाजपा और एनडीए गठबंधन को समर्थन दे रहा है। कन्याकुमारी में विवेकानंद रॉक पर पीएम मोदी की तपस्या को लेकर डॉ जयंत ने कहा कि नरेंद्र मोदी ही ऐसे काम कर सकते हैं और इस बार एनडीए 400 पार।

मुझे पंजाब में दिखते हैं तिरंगे के तीनों रंग – नड्डा

पंजाब, एजेसी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि आप ने पंजाब को बर्बाद किया या नहीं किया? ये कहते थे महिला सम्मान करेंगे। एक मुख्यमंत्री के घर में महिला पीट गई और एक मंत्री का अश्लील हरकत करते हुए वीडियो वायरल हुआ...आज यहां से व्यापारी पलायन कर रहा है। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी वाले जब आपसे मिलें, तो आप इनसे पूछना कि इन्हें सीएए से क्या दिक्कत है? जब हमारे सिख भाई अफगानिस्तान में प्रताड़ित हो रहे थे, तब वो शरणार्थी बनकर भारत की धरती पर आए थे। अब केजरीवाल उन्हें रेपिस्ट और चोर बोलता है। नरेन्द्र मोदी जी सीएए लाए और अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से प्रताड़ित होकर आए सिख भाइयों को भारत की नागरिकता देने का काम किया। भारत के तिरंगे के तीनों रंग मुझे पंजाब में दिखते हैं। मुझे पंजाब में शहादत का लहू दिखता है। जेपी नड्डा ने कहा कि मुझे पंजाब में सद्भाव का सफेद रंग दिखता है। मुझे पंजाब के किसानों के माध्यम से हरियाली की क्रांति दिखती है। श्रीमती इंदिरा गांधी ने भारत की जेल में बंद एक लाख पाकिस्तानी कैदियों को छोड़ा, जुल्फिकार अली भुट्टो से बातचीत की, लेकिन ननकाना साहिब के बारे में चर्चा नहीं की। इस काम को मोदी जी ने किया और आपके लिए करतारपुर साहिब का रास्ता साफ किया।

तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर जिला महिला चिकित्सालय में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना) अपर जिला जजध्सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदोई भूपेन्द्र प्रताप ने बताया कि उ0 प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार एवं जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदोई श्री राज कुमार सिंह के सरंक्षण एवं अनुमति से एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदोई के तत्वाधान में आज जिला तम्बाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ हरदोई के संयोजन से तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर जिला महिला चिकित्सालय, हरदोई में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। डॉ0 शिवम गुप्ता द्वारा तम्बाकू के सेवन व उसके दुष्प्रभाव के विषय मे जानकारी दी।अपर जिला जज द्वारा शिविर में उपस्थित आमजनमानस को तम्बाकू का सेवन न करने हेतु शपथ दिलाई व तम्बाकू का सेवन करने वाले लोगो को तम्बाकू का सेवन न करने हेतु प्रेरित किया तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की योजनाओं के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ0 सुबोध कुमार, डॉ0 शिवम गुप्ता, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के लिपिक अभिषेक अवस्थी, पी0 एल0 वी0 शिवम कश्यप व चिकित्सालय स्टाफ आदि उपस्थित रहे। तदुपरांत जिला जज राजकुमार सिंह व जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने आज राजकीय सम्प्रेक्षण गृह का संयुक्त निरीक्षण किया। उन्होंने बाल बंदियों से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली। तत्पश्चात जिला जज ने सम्प्रेक्षण गृह मे आज 31 मई को राष्ट्रीय तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर बाल सम्प्रेक्षण गृह मे निवासित

किशोरों को तंबाकू गुटका का सेवन न करने की शपथ दिलायी व हस्ताक्षर अभियान भी चलाया। उन्होंने निर्देश दिये कि बाल बंदियों को गुणवत्ता परक मीनू के अनुसार नास्ता एवं भोजन उपलब्ध करायें और नियमित स्वास्थ्य परीक्षण करायें। निरीक्षण के समय सचिव विधिक प्राधिकरण, जिला सूचना अधिकारी आदि उपस्थित रहें।

संपादकीय

आपदा के लिए प्रशिक्षित

बच्चों को पालने वाले किसी भी व्यक्ति ने इस तरह के सवाल जरूर सुने होंगेरू 'क्या आपके घर में बचपन में बिजली थी?' 'क्या आपके घर में बचपन में गायें थीं?' और मेरा पसंदीदा सवाल – 'क्या आपके बचपन में डायनासोर हुआ करते थे?' मेरे एक मित्र, जो एक प्रमुख भारतीय प्रबंधन संस्थान में प्रोफेसर हैं, ने मुझे बताया कि अब एमबीए प्रवेश परीक्षा, कैट के माध्यम से उत्तीर्ण होने वाले कई उम्मीदवार हैं, जिनका अतीत के बारे में ज्ञान, जैसा कि अंतिम साक्षात्कारों में पता चला है, काफी हद तक समान है। जब उनसे पूछा गया कि राणा प्रताप ने मुगलों से कब युद्ध किया, तो उनमें से एक ने सोच–समझकर 1960 का अनुमान लगाया। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि उनके दादा ने उस युद्ध में लड़ाई लड़ी थी, तो उन्होंने कहा कि इसकी बहुत संभावना है, लेकिन घर पहुंचने पर उन्हें निश्चित रूप से पता चल जाएगा। जब उनसे पूछा गया कि भारत में महिलाओं को मतदान का अधिकार कब मिला, तो एक अन्य उम्मीदवार ने 1995 का नाम लिया। और यहाँ एक ऐसा सवाल है जो डायनासोर से मिलता–जुलता है, या लगभग – जब उनसे पूछा गया कि डार्विन ईसा से पहले आए थे या बाद में, तो एक साक्षात्कारकर्ता को पूरा विश्वास था कि विकासवादी जीवविज्ञानी के अपना काम पूरा करने के बहुत बाद ईसा का जन्म हुआ था। और परीकथा के उत्तर लगातार बढ़ते रहते हैं, कभी–कभी ब।ज साक्षात्कार कक्ष को चमत्कारी क्रेच में बदल देते हैं। सिवाय इसके कि ये बीस की उम्र के लोग हैं, और भविष्य के कॉर्पोरेट कर्मचारी हैं जो देश के शीर्ष संस्थानों में एमबीए करने के लिए कॉमन एडमिशन टेस्ट के माध्यम से 97ध्98 प्रतिशत पर पहले ही अर्हता प्राप्त कर चुके हैं। यह थोड़ा आश्चर्य की बात है जब मेरे दोस्त ने मुझे बताया कि प्रमुख कॉर्पोरेट नियोक्ताओं ने शिकायत करना शुरू कर दिया है कि वे अब जिन प्ड स्नातकों की भर्ती कर रहे हैं, उनकी गुणवत्ता, अपवादों को छोड़कर, अतीत के प्ड स्नातकों से कुछ भी नहीं है। और कॉर्पोरेट जगत में वरिष्ठ पदों पर बैठे मेरे दोस्त टेबल के दूसरी तरफ से बहुत ही समान शिकायतों को दोहराते हैं। टनल विजन रणनीति के साथ परीक्षा के लिए अध्ययन करना पूरी दुनिया में एक वास्तविकता है – जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका भी शामिल है, जहाँ आइवी–लीग कॉलेजों के लिए किंडरगार्टनर्स को प्रशिक्षित करने का दावा करने वाले कोच प्रति घंटे सैकड़ों डॉलर लेते हैं। यह उस चिंतित दुनिया की वास्तविकता है जिसमें हम आज रहते हैं। लेकिन यह भारत में एक तीव्र रूप लेता है जहाँ शिक्षा और सामाजिक गतिशीलता ऐसे तरीकों से जुड़ी हुई है जो कभी–कभी गहराई से सशक्त बनाती हैं और कभी–कभी जानलेवा रूप से क्लस्ट्रोफोबिक होती हैं। आंद्रे बेतेली जैसे शिक्षाविदों ने इस निराशाजनक परीक्षा संस्कृति का पता ब्रिटिश औपनिवेशिक शिक्षा नीति से लगाया है, जो क्लर्क बनाने की कोशिश करती थी। संजय सेठ जैसे अन्य लोगों ने रटने की शिक्षा को स्मारकीकरण की पुरानी संस्कृतियों में निहित माना है जो धार्मिक और धर्मनिरपेक्ष दोनों तरह की सीखने की परंपराओं का हिस्सा थे। 'क्यों' एक और दिन के लिए बहस का विषय है, और इस विषय पर कुछ दिलचस्प विद्वानों का शोध है जो कोई भी इच्छुक हो सकता है। चाहे जो भी हो, यहाँ अभी है। यह एक सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत सत्य है कि किसी भी मानकीकृत परीक्षा में बड़े व्यावसायिक लाभ के लिए कोचिंग सेंटर की आवश्यकता होती है। क्या इस कोचिंग संस्कृति के लिए उच्च रैंकिंग वाले, ऐतिहासिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक वास्तविकताओं को परिभाषित करने के लिए अंधे उम्मीदवार बहुत अधिक कीमत चुका रहे हैं, यह न केवल शिक्षकों के लिए बल्कि भावी नियोक्ताओं के लिए भी चिंता का विषय है। आज सबसे बड़ी चिंता यह है कि चूंकि भारतीय अर्थव्यवस्था निजी क्षेत्र में पर्याप्त नौकरियां पैदा करने में विफल रही है, इसलिए प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से प्राप्त होने वाली सरकारी नौकरियों के लिए हताशा उन्माद की स्थिति तक पहुँच जाती है। और यह अर्थव्यवस्था के कम से कम एक क्षेत्र – निजी कोचिंग उद्योग के लिए बहुत अच्छी खबर है। ठल्श्रन्े जैसे चिंता–शोषण करने वाले व्यवसायों पर संकट के बावजूद, प्रतियोगी परीक्षाओं (एस्पिरेंट्स, 12वीं फेल, कोटा फैक्ट्री) के लिए प्रशिक्षण और कोचिंग के बारे में फिल्मों और ओटीटी शो की बढ़ती लोकप्रियता और उनके हास्य और साथ ही जीवन–पुष्टि करने वाले गुण हमें बताते हैं कि भारत में कोचिंग संस्कृति पहले से कहीं अधिक समृद्ध है। यह एक दुष्चक्र बनाता है। नौकरियों का सृजन करने में निजी अर्थव्यवस्था की विफलता, अल्प सरकारी पदों के लिए प्रतिस्पर्धा के पुराने मॉडल को सामने लाती है। कोचिंग सेंटरों का समृद्ध उद्योग रणनीतिक अध्ययन–से–परीक्षा की संस्कृति को गहरा और व्यापक बनाता है जो निजी क्षेत्र के लिए घटिया कर्मचारी बनाता है। यह शिक्षा और अर्थव्यवस्था के बीच उलझा हुआ पारस्परिक संबंध है जो किसी भी देश में व्याप्त है। 21वीं सदी के शुरुआती वर्षों में, जब भारत का कभी–कभी चीन के साथ एक ही सांस में उल्लेख किया जाता था, तो कई लोग, उद्यमी और शिक्षाविद् समान रूप से, इंटरैक्टिव कक्षाओं में अनुसंधान और अंतःविषय कनेक्शन द्वारा संचालित स्नातक शिक्षा के नए मॉडल के बारे में उत्साहित हो गए थे। निष्क्रिय और चेहराविहीन परीक्षा–संचालित, एकल–विषय पाठ्यक्रम से आगे बढ़ने का वादा करते हुए, नए उदार शिक्षा मॉडल एशियाई अर्थव्यवस्था के उभरते हुए दिग्गज और उसमें भारत के स्थान के लिए प्रासंगिक लगे।

केंद्र और राज्यों के सम्मिलित प्रयासों की जरूरत

आदित्य

बीते 25 मई को गुजरात के राजकोट में गेमिंग जोन में आग लगने से बच्चों समेत 32 लोगों की मौत हो गई। राज्य सरकार ने एसआईटी गठित कर जांच शुरू कर दी है। राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने मृतकों के परिवार को चार लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की है। 25 मई की रात ही दिल्ली में आग लगने की दो अलग–अलग घटनाएं हुईं। विवेक विहार में बच्चों के अस्पताल में आग लगने से सात नवजात शिशुओं की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। इसके अलावा, कृष्णानगर में एक इमारत में करीब दो बजे सुबह आग लगी, जिसमें तीन लोगों की जान चली गई और तीन अन्य लोग घायल हो गए। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपनी संवेदना व्यक्त की और आश्वासन दिया कि घटनाओं के कारणों की जांच की जा रही है, ताकि जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जा सके। घनी आबादी और भीड़भाड़ वाले इलाकों में तंग बुनियादी ढांचे के कारण भारत के शहरी क्षेत्र आग लगने जैसी घटनाओं के लिए विशेष रूप से असुरक्षित हैं। जैसे कि वर्ष 2018 में मुंबई के ईएसआईसी कामगार अस्पताल में आग लगी और 2019 में सूरत कोचिंग सेंटर में आग लगने से 22 छात्रों की मौत हो गई। ये घटनाएं बताती हैं कि अतीत की त्रासदियों से पूरी तरह सबक नहीं लिया गया। अतीत में हुए सबसे दुखद उपहार सिनेमा अग्निकांड और भोपाल गैस त्रासदी ने प्रणालीगत सुधारों की जरूरत और उपेक्षा के गंभीर परिणामों को उजागर किया। औद्योगिक सुरक्षा चूक की कई घटनाएं हुई हैं, जो मजबूत शासन और सख्त सुरक्षा नियमों की तत्काल जरूरत को रेखांकित करती हैं। उपहार सिनेमा अग्निकांड एक ऐसी त्रासदी थी, जिसे रोका जा सकता था। 13 जून, 1997 को जब दिल्ली के उपहार सिनेमा में एक लोकप्रिय फिल्म प्रदर्शित हो रही थी, उसी समय खराब ट्रांसफार्मर के कारण आग लग गई, जिसमें 59 लोगों की मौत हो गई और 100 से अधिक लोग घायल हो गए। ज्यादातर पीड़ित दम घुटने के कारण मरे, क्योंकि वे बालकनी वाले इलाके में निकास द्वार के बंद या बाधित होने के कारण फंस गए थे। अग्नि सुरक्षा से संबंधित उचित उपायों और आपातकालीन तैयारियों की कमी के कारण यह त्रासदी और भी गंभीर हो गई। इस अग्निकांड की जांच में घोर लापरवाही और सुरक्षा उपायों का उल्लंघन पाया गया, जैसे कि बचकर भागने के रास्ते बंद थे और अग्निशमन उपकरण उचित रखरखाव के अभाव में खराब थे। उपहार सिनेमा अग्निकांड भवन संहिता (बिल्डिंग कोड) एवं अग्नि सुरक्षा उपायों के सख्त क्रियान्वयन की व्यापक आवश्यकता की याद दिलाता है। यह नियमों के अनुपालन में स्थानीय अधिकारियों की विफलता को भी उजागर करता है, जो शासन के व्यापक मुद्दों को रेखांकित करता है, जिससे केंद्र और राज्य, दोनों स्तरों पर निपटने की जरूरत है। अग्निकांड से अलग प्रणालीगत विफलता का एक और उदाहरण है–भोपाल गैस त्रासदी। 1984 की भोपाल गैस त्रासदी औद्योगिक सुरक्षा की कमी का एक प्रमुख उदाहरण है, जिसके कारण बड़े पैमाने पर जनहानि हुई। भोपाल में यूनियन कार्बाइड कीटनाशक संयंत्र में मिथाइल आइसोसाइनेट गैस का रिसाव हुआ, जिसके कारण हजारों लोगों की तत्काल मृत्यु हो गई और पांच लाख से ज्यादा लोगों को लंबे समय तक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझना पड़ा। यह त्रासदी खराब रखरखाव, अपर्याप्त सुरक्षा प्रोटोकॉल, आपातकालीन स्थितियों में तैयारी की कमी का नतीजा थी। इसके बाद लंबी कानूनी लड़ाइयां चलीं और पीड़ितों को देर से न्याय मिला। इस त्रासदी ने औद्योगिक संयंत्रों के संचालन में सुरक्षा मानकों को लागू करने और नियामक निगरानी के महत्व को उजागर किया। इसने लापरवाही के लिए कंपनियों को जिम्मेदार ठहराने और ऐसी आपदाओं को रोकने के लिए निवारक उपाय सुनिश्चित करने के लिए एक मजबूत कानूनी ढांचे की आवश्यकता को भी प्रदर्शित किया। इस तरह की भयावह घटनाओं के बावजूद हमारे देश के राज्यों में सुरक्षा एक महत्वपूर्ण चिंता बनी हुई है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड्स ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों से पता चलता है कि हमारे देश में हर साल आग लगने की घटनाओं में हजारों लोगों की जान जाती है। बिजली के शॉर्ट–सर्किट, ज्वलनशील सामग्रियों का सही ढंग से भंडारण नहीं करने और सुरक्षा उपायों की उपेक्षा आग लगने के आम कारण होते हैं। हमारे देश में आग के खतरों से निपटने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है। सुरक्षा उपायों को सख्ती से लागू करना–राष्ट्रीय भवन संहिता और अग्नि सुरक्षा मानदंडों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है। नियमित निरीक्षण और गैर–अनुपालन के लिए दंड का प्रावधान रहने से लापरवाही को रोका जा सकता है। जन–जागरूकता और प्रशिक्षण–नागरिकों को अग्नि सुरक्षा उपायों के बारे में शिक्षित करने तथा सार्वजनिक स्थानों पर नियमित मॉक ड्रिल (अभ्यास) करने से तैयारी बेहतर हो सकती है तथा मरने वालों की संख्या कम हो सकती है। बुनियादी ढांचे में सुधार–विद्युत अवसंरचना का आधुनिकीकरण और सुरक्षित निर्माण सुनिश्चित करने से आग लगने के सामान्य कारणों को कम किया जा सकता है। आपातकालीन सेवाओं को सुदृढ़ बनाना–प्रभावी आपदा प्रबंधन के लिए विशेष रूप से शहरी केंद्रों में, अग्निशमन विभागों की क्षमताओं और प्रतिक्रिया समय में सुधार करना आवश्यक है। कॉरपोरेट जवाबदेही–सख्त कॉरपोरेट प्रशासन मानकों को लागू करने और सुरक्षा उल्लंघनों के लिए कंपनियों को जवाबदेह ठहराने से औद्योगिक आपदाओं को रोका जा सकता है। उपहार सिनेमा अग्निकांड और भोपाल गैस त्रासदी आग के खतरों और औद्योगिक सुरक्षा चूक के विनाशकारी प्रभाव की याद दिलाती हैं। इनसे निपटने के लिए न केवल विनियामक सुधार और नियमों को सख्ती से लागू करने की जरूरत है, बल्कि सुरक्षा उपायों और तैयारियों को प्राथमिकता देने की दिशा में सांस्कृतिक बदलाव भी जरूरी है। भविष्य की आपदाओं को रोकने और पूरे देश में जीवन की सुरक्षा के लिए प्रभावी शासन और सक्रिय उपाय महत्वपूर्ण हैं।

सियासत के बाद वर्तमान पर ध्यान देने का वक्त

विनोद

चार जून को लोकसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद चाहे जो भी सत्ता में आए, कुछ ऐसे मुद्दे हैं, जिन्हें अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उम्मीद है कि नई सरकार कुछ कटु सच्चाइयों पर अधिक ध्यान देगी। भारत तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है। हम अक्सर जनसांख्यिकीय लाभांश के बारे में बातें करते हैं। देश के युवा कार्यबल में आर्थिक विकास, नवाचार और उत्पादकता को बढ़ाने की क्षमता है। लेकिन अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ते उन उच्च शिक्षित युवाओं के लिए पर्याप्त संख्या में उचित रोजगार सृजित नहीं कर पा रही है, जो सुरक्षित, ऊंचे वेतन वाली व्हाइट कॉलर जॉब की उम्मीद रखते हैं। रोजगार पाने का मतलब अक्सर कम वेतन वाला, अनिश्चित काम करना होता है। पिछले हफ्ते एक खबर पर मेरा ध्यान गया, जिससे पता चलता है कि स्थिति कितनी गंभीर है। एक राष्ट्रीय अखबार की खबर के अनुसार, आईआईटी कानपुर के एक पूर्व छात्र धीरज सिंह द्वारा दाखिल आरटीआई आवेदन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, देश के 23 आईआईटी के करीब 38 प्रतिशत छात्र अब तक बेरोजगार हैं। समाचार में सिंह के हवाले से बताया गया है कि इस वर्ष सभी 23 में 7,000 छात्रों को आईआईटी कैंपस के माध्यम से नियुक्ति नहीं मिलि है।घसिर्फ दो साल पहले यह आंकड़ा इसके लगभग आधा (3,400) था। सिंह ने बताया कि जहां अधिक छात्र रोजगार के लिए आवेदन कर रहे हैं, वहीं दो साल में बेरोजगार छात्रों की संख्या 2.3 गुना बढ़ गई है। यदि यह कोई अकेला मामला होता, तो इसे नजरअंदाज किया जा सकता था, लेकिन भारत में शिक्षित युवाओं के बीच बेरोजगारी पिछले कुछ समय से बड़ी चिंता का विषय रही है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन एवं दिल्ली स्थित थिंक टैंक मानव विकास संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से प्रकाशित इंडिया एंप्लॉयमेंट रिपोर्ट, 2024 के अनुसार, भारत के बेरोजगार कार्यबल में 83 फीसदी युवा हैं और कुल बेरोजगार आबादी में माध्यमिक या उच्च शिक्षा प्राप्त युवाओं की हिस्सेदारी वर्ष 2000 में 35.2 फीसदी थी, जो 2022 में बढ़कर 65.7 फीसदी हो गई। वर्ष 2023 के लिए परिशिष्ट के साथ मुख्यतः 2000 और 2022 के बीच के आवधिक श्रमबल सर्वेक्षण और नेशनल सैंपल सर्वे के आंकड़ों के विश्लेषण पर आधरित यह रिपोर्ट बताती है कि शिक्षित युवाओं में बेरोजगारी का स्तर काफी ऊंचा है। शिक्षा के स्तर के साथ युवा बेरोजगारी दर बढ़ी है। स्नातक या उससे ज्यादा शिक्षित युवाओं में बेरोजगारी की दर सबसे ज्यादा है और शिक्षित पुरुषों के मुकाबले शिक्षित महिलाओं में बेरोजगारी दर ज्यादा है। क्या भारत के श्रम बाजार में उनके लिए अवसर हैं, लेकिन शिक्षित युवाओं के लिए बेहतर गुणवत्ता वाली पर्याप्त नौकरी नहीं है? आंकड़े इसी तरफ इशारा करते हैं। सबसे ज्यादा परेशानी वाली बात यह है कि गरीब परिवारों के शिक्षित युवा विशेष रूप से कठिन परिस्थितियों में हैं।

रिपोर्ट बताती है कि श्सबसे कम मासिक प्रति व्यक्ति व्यय क्वाइंटाइल (29.4 प्रतिशत) में माध्यमिक या उच्च–माध्यमिक शिक्षा वाले युवाओं के बीच बेरोजगारी दर उच्चतम क्वाइंटाइल (25.8 प्रतिशत) वाले युवाओं की तुलना में अधिक थी। यहां बता दें कि क्वाइंटाइल किसी आंकड़े को पांच बराबर भागों में विभाजित करती है। नतीजतन युवाओं के बीच उच्च बेरोजगारी दर आंशिक रूप से व्हाइट कॉलर जॉब की आकांक्षाओं के कारण हो सकती है, जो पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं हैं। सबसे गरीब युवा, जिनके पास गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, संसाधनों और सामाजिक पूंजी का अभाव है, वे अधिक पीड़ित हैं। चिंता की बात है कि हाशिये पर पड़े अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उच्च शिक्षित युवाओं में बेरोजगारी दर अन्य पिछड़ा वर्ग या सामान्य श्रेणी के युवाओं की तुलना में ज्यादा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सामाजिक रूप से हाशिये के युवाओं में उच्च बेरोजगारी उन चुनौतियों का संकेत देती है, जिनका सामना उन्हें बेहतर रोजगार की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए करना पड़ता है। यह प्रवृत्ति सामाजिक विषमताओं को कायम रखती है और सामाजिक रूप से ऊपर उठने में बाधा उत्पन्न करती है। क्या उच्च शिक्षित युवाओं के लिए शिक्षा के स्तर और नौकरियों के बीच विसंगति समय के साथ बढ़ी है? इंडिया एंप्लॉयमेंट रिपोर्ट, 2024 इस बारे में कुछ संकेत देती है। यह बताती है कि उच्च शिक्षित युवाओं (पुरुष एवं महिला) का एक बड़ा हिस्सा, जिसमें तकनीकी शिक्षा प्राप्त युवा भी शामिल हैं, अपनी नौकरी से ज्यादा योग्यता रखते हैं। तकनीकी शिक्षा प्राप्त युवाओं में से भी 0.4 फीसदी ऐसे व्यवसायों में लगे हुए थे, जो उनकी योग्यता के अनुरूप नहीं थे। हालांकि समग्र रूप से शिक्षा प्राप्ति में बढ़ोतरी हुई है, जिससे नौकरी की मांग रही है, जो (उच्च शिक्षित और कम शिक्षित युवाओं) में रोजगार दर को कम कर रही है और बेरोजगारी दर बढ़ा रही है। इसके चलते उच्च शिक्षित युवा भी कम कौशल वाले ब्ल्यू–कॉलर जॉब अपनाने लगते हैं। एक और चिंतनीय विषय है कि तमाम उल्लेखनीय प्रगति के बावजूद उच्च शिक्षा प्राप्ति का स्तर अब भी निम्न बना हुआ है और गुणवत्ता चिंता का विषय है। गरीब राज्यों एवं हाशिये के समूहों में मध्य एवं माध्यमिक स्तर की शिक्षा के बाद ड्रॉप–आउट (स्कूल छोड़ने) की दर उच्च है। शिक्षा की गुणवत्ता लगातार चिंता का विषय है। स्कूली स्तर पर और सामान्य रूप से भी सीखने के स्तर में कमी आई है और उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा दी जाने वाली शिक्षा की गुणवत्ता खराब है।

हम ऐसी स्थिति को जारी नहीं रहने दे सकते। रिपोर्ट बताती है कि योग्यताओं, आकांक्षाओं और नौकरियों के बीच विस्फोटक अंतर असंतोष बढ़ा रहा है। हालांकि ऐसे मामले अपेक्षाकृत पिछड़े राज्यों में आम रहे हैं, लेकिन अब आर्थिक रूप से ज्यादा गतिशील राज्यों में भी ऐसे मामले सामने आ रहे हैं। इसलिए अब सुदूर अतीत और सुदूर भविष्य पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय वर्तमान पर ध्यान देने का समय आ गया है।

कुशल कार्यबल तैयार करने की चुनौती

ललित

भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। इसके साथ ही उच्च गुणवत्ता वाले रोजगार के अवसरों का सृजन भी हुआ है, जैसा कि नवीनतम आवधिक श्रम सर्वेक्षण में दर्शाया गया है, जहाँ कई संकेतकों में सकारात्मक रुझान देखे जा सकते हैं। 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों के लिए श्रमिक–जनसंख्या अनुपात में लगभग 10 प्रतिशत अंकों की वृद्धि हुई है, जो 2017–18 में 46.8 प्रतिशत से बढ़कर 2022–23 में 56 प्रतिशत हो गया है। इसी तरह, श्रम बल भागीदारी दर में भी इसी पाँच साल की अवधि में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो 49.8 प्रतिशत से बढ़कर 57.9 प्रतिशत हो गई है। यह बेरोजगारी दर में 6 प्रतिशत से 3.2 प्रतिशत की गिरावट से समर्थित था। इस रोजगार परिदृश्य में पिछले कुछ वर्षों में परिवर्तनकारी परिवर्तन हुए हैं, जिसमें गतिशील क्षेत्र और उद्यमशील उपक्रम उभरे हैं। लाभकारी रोजगार को बढ़ावा देने की दिशा में निर्देशित कई सरकारी पहलों ने नवाचार, रचनात्मकता और उद्यमशील प्रतिभा को बढ़ावा देने वाला एक अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र बनाया है। साथ ही, भविष्य के लिए तैयार, समावेशी और रोजगार योग्य कार्यबल विकसित करने पर जोर दिया गया है, जिसमें प्रासंगिक और अद्यतन कौशल हों, जिन्हें विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रमों और सकारात्मक कार्रवाई नीतियों द्वारा समर्थन दिया गया है, जो भारत के भविष्य के काम को आकार देना जारी रखेंगे। केंद्र सरकार ने देश में एक जीवंत और अनुकूल रोजगार पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए कई प्रभावशाली उपाय किए हैं। डिजिटल इंडिया, स्किल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना और भारत के रणनीतिक क्षेत्रों में उत्पादन–लिंक्ड प्रोत्साहन योजनाओं सहित उल्लेखनीय पहल, कौशल विकास, रोजगार क्षमता बढ़ाने और उद्यम विकास को बढ़ावा देने के माध्यम से भारत के महत्वाकांक्षी युवाओं और नवोदित उद्यमियों का समर्थन कर रही हैं। उदाहरण के लिए, पीएलआई योजना ने 8 लाख से अधिक नए रोजगार सृजित किए हैं। भौतिक, सामाजिक और डिजिटल बुनियादी ढांचे के लिए सरकारी पूंजीगत व्यय के निरंतर स्तर ने, जैसा कि लगातार बजटों में परिलक्षित होता है, बड़े पैमाने पर रोजगार भी पैदा किए हैं। पिछले तीन वर्षों में सार्वजनिक पूंजीगत व्यय में 33 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि के साथ, बुनियादी ढांचे के निर्माण ने ग्रामीण और शहरी भारत को जोड़ने में मदद की है, जिससे नए रोजगार और व्यावसायिक अवसर पैदा हुए हैं। एक मजबूत शिक्षा क्षेत्र मानव पूंजी का एक महत्वपूर्ण प्रवर्तक है। शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, कौशल विकास को बढ़ावा देने और शिक्षा तक सार्वभौमिक पहुँच प्रदान करने के लिए 2020 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पेश की गई थी। शिक्षा तक बहु–मोडल पहुँच को सुविधाजनक बनाने के लिए दीक्षा, स्वयं, पीएम ई–विद्या आदि जैसी कई डिजिटल शिक्षा पहल की गई हैं। ऐसी पहलों के सकारात्मक प्रभाव भारत के शिक्षा–वार रोजगार संकेतकों में परिलक्षित होते हैं जो कई सकारात्मक रुझान दिखाते हैं। पीएलएफएस के आंकड़ों के अनुसार, माध्यमिक शिक्षा और उससे ऊपर के लिए 15 और उससे ऊपर के समूह में डब्ल्यूपीआर 2017–18 में लगभग 43.2 प्रतिशत से बढ़कर 2022–23 में 50.3 प्रतिशत हो गया है। स्नातक, स्नातकोत्तर और उससे ऊपर की श्रेणियों के अनुपात में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है, जो छह साल की अवधि में क्रमशः 6.1 प्रतिशत और 4.1 प्रतिशत बढ़ा है। सभी श्रेणियों के लिए एलएफपीआर ने भी समान पैटर्न प्रदर्शित किए, जो रोजगार पर मजबूत शिक्षा नीतियों के सकारात्मक प्रभाव को पुष्ट करते हैं। चूंकि रोजगार परिदृश्य कौशल–आधारित नियुक्ति की ओर बढ़ रहा है, इसलिए व्यावसायिक प्रशिक्षण के महत्व में विशिष्ट कौशल सेटों में श्रमिकों को प्रशिक्षित करके रोजगार क्षमता को बढ़ावा देने की बहुत संभावना है।

शीघ्र चुनाव कराने का आह्वान हो सकता

संजय

ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने आम चुनाव की तारीख को साल के आखिर से आगे बढ़ाकर 4 जुलाई कर दिया है। कंजर्वेटिवों को उम्मीद थी कि वे अब तक लोकप्रियता के अंतर को पाट लेंगे, और कुछ लोग वास्तव में मानते हैं कि श्री सुनक अभी भी अपनी पार्टी के उद्धारक हो सकते हैं, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उन्हें एक भयावह विरासत विरासत में मिली है। लिज ट्रस और बोरिस जॉनसन के पिछले प्रशासन के पतन के बाद, श्री सुनक ने सरकार बनाई, बाजारों को खुश रखा और उत्तरी आयरलैंड पर यूरोपीय संघ के साथ एक तरह का समाधान निकाला। शरद ऋतु 2022 की स्थिति की तुलना में, यह कोई मामूली उपलब्धि नहीं थी। श्री सुनक ने शुरू से ही अपनी सरकार को गठबंधन के रूप में माना और कुछ स्थिरता लाई। राजकोष के चांसलर के रूप में अपनी पिछली क्षमता में, उन्होंने व्यक्तिगत और श्रमसाध्य देखभाल की, और उनकी कार्यशैली ने उन्हें देश के हर हिस्से में लोकप्रिय बना दिया। प्रधान मंत्री के रूप में, उन्होंने बहुत कम अहंकार दिखाया है और राजनीति को फिर से अधिक ष्सामान्यष् बना दिया है। वह एक बार अपनी पार्टी से अधिक लोकप्रिय थे और पार्टी की उम्मीद थी कि वह पार्टी की रेटिंग को अपने स्तर तक ला सकते हैं। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। वे कंजर्वेटिव पार्टी को अधिक लोकप्रिय बनाने में सफल नहीं हो पाए हैं, तथा जनमत सर्वेक्षणों में यह पार्टी पीछे है, कंजर्वेटिव पार्टी को 20 प्रतिशत तथा विपक्षी लेबर पार्टी को 42 प्रतिशत मत प्राप्त हुए हैं। पिछले वर्ष श्री सुनक ने पांच वचनों की घोषणा की थीरू उन्होंने मुद्रास्फीति को आधा करने, अर्थव्यवस्था को बढ़ाने, राष्ट्रीय ऋण को कम करने, स्वास्थ्य सेवा प्रतीक्षा सूची में कटौती करने तथा अवैध अप्रवासियों से भरी छोटी नौकाओं को चौनल पार करने से रोकने का वचन दिया था। वचनों की यह खरीदारी सूची कभी भी उत्साहित या राजी करने वाली नहीं थी। उनकी सोच खुद को एक ऐसे राजनेता के रूप में दिखाना था जो शांति से वचन लेता और उन्हें पूरा करता। वे कम वचन देते और अधिक देते, यह राजनीतिक और प्रबंधन की भाषा का एक विशिष्ट मिश्रण है। केवल मुद्रास्फीति, जो अब 2.3 प्रतिशत है, को लागू किया गया है। श्री सुनक सरकार की आर्थिक नीति में विश्वास के पतन के बीच सत्ता में आए, और वे सही ढंग से दावा कर सकते हैं कि उन्होंने आर्थिक स्थिरता को थोड़ा–बहुत बहाल किया है, लेकिन कई मुद्दों पर, जैसे कि रवांडा में शरण चाहने वालों को निर्वासित करने की योजना, स्वास्थ्य उपचार के लिए अस्वीकार्य रूप से लंबी प्रतीक्षा सूची को कम करने का प्रयास, और सीवेज–प्रदूषित जल आपूर्ति को साफ करने के लक्ष्य, सरकार अपने घोषित लक्ष्यों से पीछे रह गई है। यह देखना मुश्किल है कि अगले छह हफ्तों में कंजर्वेटिव कैसे कोई बढ़त हासिल कर सकते हैं। श्री सुनक की समस्या यह प्रतीत होती है कि सफल राजनेताओं के पास दृढ़ विश्वास होते हैं, लेकिन उनका दृष्टिकोण प्रबंधकीय थाय धूम्रपान पर प्रतिबंध लगाने, उच्च विद्यालय शिक्षा के दीर्घकालिक सुधार और प्रस्तावित हाई–स्पीड रेलवे लाइन को खत्म करने सहित हल की जाने वाली समस्याओं की एक श्रृंखला को संबोधित करना। यह रीब्रांडिंग आश्वस्त करने में विफल रही है, और सिविल सेवकों की सरकार ने प्रेरित नहीं किया। उन्होंने सोचा कि कड़ी मेहनत करना और अच्छे इरादे दिखाना पर्याप्त है, लेकिन जैसा कि एक पूर्व सहयोगी ने कहा, शीर्ष पर राजनीति एक कला है, और वे कोई कलाकार नहीं हैं। श्री सुनक की एक मुख्य मान्यता यह है कि राजनीति शेयर बाजार की तरह है – मूलभूत बातों पर विश्वास करो, शोरगुल पर नहीं – शायद यह उनके हेज फंड मैनेजर के रूप में उनके अतीत का प्रतिबिंब है। जो उनके लिए फायदेमंद लग रहा था, अब वह नकारात्मक लगता है। सत्ता में 14 साल के बाद, कंजर्वेटिव पार्टी गुटबाजी में उतर गई है और मनोबल गिर गया है। कंजर्वेटिव पार्टी अशांत और द्वेष से भरी हुई है उनके तत्काल पूर्ववर्ती लिज ट्रस उन्हें शर्मिंदा करना

चाहते थे, और उनके पूर्ववर्ती बोरिस जॉनसन के कई समर्थकों ने उन्हें अपने नायक को हटाने के लिए दोषी ठहराया। उनकी पार्टी के 60 से अधिक सदस्य फिर से संसद के लिए खड़े होने के लिए तैयार नहीं हैं। किसी को भी नहीं लगा कि श्री सुनक एक वास्तविक नेता हैं, क्योंकि उन्हें केवल हाउस ऑफ कॉमन्स के सदस्यों द्वारा पीएम के रूप में चुना गया था, न कि टोरी सदस्यता द्वारा। आम धारणा यह थी कि वे डिफॉल्ट रूप से पीएम बन गए, क्योंकि उनकी पार्टी में कोई और यह पद नहीं चाहता था। एक और समस्या उनकी बड़ी व्यक्तिगत पारिवारिक संपत्ति थी ब्रिटिश राष्ट्रीय संदर्भ में, यह बेकार है। ब्रिटिश राजनीति में दलबदल दुर्लभ हैं, लेकिन दो कंजर्वेटिव सांसदों ने हाल ही में लेबर पार्टी का पक्ष लिया है। समय से पहले चुनाव कराकर, श्री सुनक ने अपनी पार्टी के सदस्यों के बीच होने वाली दरार को रोका है। वह खुद को एक ऐसे राजनेता के रूप में पेश करना चाहते हैं जो खतरनाक दुनिया में ब्रिटेन के हितों की रक्षा कर सकता है, इसके लिए वह यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में अस्थिरता और लोकतांत्रिक देशों को अस्थिर करने के चीन के कथित प्रयासों का हवाला देते हैं। मुद्रास्फीति के आंकड़े बताते हैं कि दर लगभग तीन वर्षों में सबसे कम है, लेकिन यह अप्रत्याशित नहीं है, और अभी तक केंद्रीय बैंक के लक्ष्य पर नहीं है, जिसका अर्थ है कि अभियान के दौरान ब्याज दर में कटौती की संभावना कम है।

जेसीआई चेतना द्वारा तीन दिवसीय व्यावसायिक कार्यक्रम हुआ संपन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। शहर की सामाजिक संस्था जेसीआई चेतना की अध्यक्ष मीरा अग्रहरी ने तीन दिवसीय व्यावसायिक कार्यक्रम को तीन अलग–अलग विषय वस्तु पर आधारित किया ,प्रथम दिवस कार्यक्रम कॉफी विद बिजनेस टाइकून था जिसके अंतर्गत विश्वनाथ ट्रेडर्स के प्रोपराइटर राजा रमन से बात की तथा उनकी सफलता के बारे में पूछा यह कार्यक्रम उनके ही शोरूम पर किया गया जिसमें उन्होंने बड़े ही व्यावहारिक तरीके से अपना परिचय दिया। दूसरा कार्यक्रम ट्रेनिंग ऑन जीएसटी रहा जिसमें जीएसटी से संबंधित जानकारी सीए राजेश राज गुप्ता द्वारा दिया गया जिसमें सीए राजेश राज गुप्ता ने जीएसटी से फायदे और नुकसान के बारे में तथा अन्य विषय पर जानकारी दी। तीसरा कार्यक्रम सेमिनार आन साइबर क्राइम रहा जिसे संस्कृति साहू द्वारा कराया गया जिसमें संस्कृति साहू ने बड़े ही अच्छे तरीके से क्राइम के बारे में बताया तथा उसे किस प्रकार से क्राइम से दूर हुआ जाए और अपने जीवन में सही नियम लागू किया जाए की क्राइम ना हो पाए पर व्याख्यान दिया इस तीन दिवसीय व्यावसायिक कार्यक्रम में संस्था की संस्थापक अध्यक्ष मेघना रस्तोगी ,पूर्व अध्यक्षों में नीतू गुप्ता, चारू शर्मा, कल्पना केसरवानी,मधु गुप्ता, रीता कश्यप रही ।कार्यक्रम का संचालन वंशिका सिंह तथा मीना गुप्ता ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम में फर्स्ट लेडी ऑफ द जोन 2020 अनीता सेठ, डॉली गुप्ता,रोशनी केसरवानी, शारदा गुप्ता,अनीता गुप्ता,ममता केसरवानी,रिंकी जायसवाल, अंजू,मंजू जायसवाल, प्रतिमा गुप्ता,अनीता गुप्ता,पूनम जायसवाल,संचिता बैंकर,ज्योति शाह,ममता कश्यप,सरला महेश्वरी, अफ्शा आदि उपस्थित रही कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों का धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम संचालक गायत्री जायसवाल ने किया।

केन्द्रीय विद्यालय संगठन, लखनऊ संभाग का वार्षिक प्राचार्य सम्मेलन सम्पन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। केन्ध्द्रीय विद्यालय संगठन, लखनऊ संभाग का वार्षिक प्राचार्य सम्ध्मेलन दिनांक 31 मई 2024 से 02 जून 2024 तक होटल 'द रेग्नेन्ट' में सोना सेठ, उपायुक्त, केन्द्रीय विद्यालय संगठन, लखनऊ संभाग की अध्यक्षता में आयोजित किया जा रहा है । इस त्रिदिवसीय सम्मेलन में लखनऊ, कानपुर, बरेली समेत लखनऊ संभाग के अन्तर्गत आने वाले अन्ध्य जिलों में स्थित समस्त केन्द्रीय विद्यालयों के प्राचार्य प्रतिभाग करेंगे एवं केन्द्रीय विद्यालयों की प्रगति की समीक्षा एवं नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुपालन में केन्ध्द्रीय विद्यालय संगठन के अग्रणी भूमिका एवं इसके क्रियान्वयन में शिक्षकों/प्राचार्यों के दायित्वों पर चर्चा और संगठन में वित्ध्तीय व प्रशासनिक प्रकरणों से संबंधित विद्यालयी सरोकारों एवं छात्रों के समग्र विकास पर केन्द्रित नवीन शिक्षण विधियों पर भी चर्चा होगी। केन्द्रीय विद्यालय संगठन का स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में प्रधान संस्था के रूप में अपना एक विशिष्ट स्थान है। सम्पूर्ण देश में 1256 केन्द्रीय विद्यालयों की श्रृंखला में लखनऊ संभाग के अन्तर्गत 48 केन्द्रीय विद्यालय हैं जिनमें से 11 केन्द्रीय विद्यालय दो पालियों में संचालित किए जाते हैं। केन्द्रीय विद्यालयों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप बालवाटिका की कक्षाओं से लेकर कक्षा 12 तक की शिक्षा विज्ञान, वाणिज्ध्य एवं मानविकी विषयों में दी जाती है ।

इस सम्मेलन में केन्द्रीय विद्यालय संगठन के लखनऊ संभाग के सहायक आयुक्त अनूप अवस्थी, अर्चना जायसवाल एवं विजय कुमार के द्वारा केन्द्रीय विद्यालयों के परीक्षा परिणामों को उत्कृष्ट बनाने, शिक्षा मंत्रालय की नीतियों को अक्षरशरू लागू करने, विद्यार्थियों में जीवन मूल्ध्यों को आत्मसात करने एवं उनके बहुमुखी विकास के लिए आवश्यक नीतियों पर चर्चा एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। आज के दिन वित्तीय विषय पर केंद्रीय विद्यालय संगठन लखनऊ संभाग के वित्त अधिकारी एम.पी. सिंह ने समस्त प्राचार्य की वित्त संबंधी समस्याओं का समाधान किया।

क्राइम टीम डीसीपी पूर्वी व थाना चिनहट की संयुक्त पुलिस टीम के साथ मुठभेड़ में शातिर लुटेरा अपराधी गिरफ्तार

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। क्राइम टीम डीसीपी पूर्वी व थाना चिनहट की संयुक्त पुलिस टीम के साथ मुठभेड़ में शातिर लुटेरा अपराधी गिरफ्तार, 01 अदद देशी तमंचा 315 बोर व 02 अदद खोखा कारतूस 315 बोर व 01 अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर व 03 अदद खोखा कारतूस 9डड व घटना में प्रयुक्त एक अदद मोटरसाइकिल संख्या न्च 32 क्क 4014 (पल्सर 150 सीसी, लाल रंग) बरामद। क्राइम टीम डीसीपी पूर्वी व थाना चिनहट की संयुक्त पुलिस टीम के साथ मुठभेड़ में शातिर अपराधी गिरफ्तार, 01 अदद देशी तमंचा 315 बोर व 02 अदद खोखा कारतूस 315 बोर व 01 अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर व 03 अदद खोखा कारतूस 9MM व घटना में प्रयुक्त एक अदद मोटरसाइकिल संख्या UP 32 DD 4014 (पल्सर 150 सीसी) लाल रंग) बरामद। संक्षिप्त विवरण बताते हुए पुलिस ने कहा कि आज दिनाँक 31.05.2024 को थाना चिनहट व क्राइम टीम पुलिस उपायुक्त पूर्वी की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा देवा रोड पर क्षेत्र में हो रहे चोरी व लूट व अन्य गम्भीर अपराध के सम्बन्ध में वार्ता की जा रही थी कि मुखवीरखास की सूचना पर हम पुलिस वाले रोड से आगे बढे की शिवपुरी मोड़ के पास पहुंचे कि एक मोटरसाइकिल की रोशनी आती दिखायी दी। उक्त मोटर साइकिल को रोका गया तो अचानक शिवपुरी मोड पर दाहिने की तरफ मोड कर राष्ट्रीय उद्योग आश्रम इन्टर कॉलेज की तरफ मोड दिया अचानक मोटरसाइकिल गढ्ढे में गिर गई मोटरसाइकिल पर बैठे दोनो व्यक्ति तंमन्चे से हम पुलिस बल के ऊपर जान से मारने की नियत से फायरिंग करते हुए भागने लगे कि पुलिस बल अद्मम साहस का परिचय देते हुए अपना बचाव करते हुए अभियुक्तो को आत्मसमर्पण करने के लिये ललकारते हुए कहा गया परन्तु आत्मसमर्पण ना करते हुए पुनः पुलिस बल पर फायरिंग करने लगे अभियुक्तो द्वारा की जा रही फायरिंग में जवाबी कार्यवाही में फायरिंग कर रहे बदमाश के दाहिने पैर में गोली लगी जो मौके पर गिर गया। गोली लगने के कारण गिरे हुर्येबदमाश को हिकमत अमली से समय करीब 03.20 बजे गिरफ्तार किया गया। तथा एक बदमाश फायरिंग करते हुए झाड़ियो में से भागने में सफल रहा। गिरफ्तार अभियुक्त को तत्काल उपचार की आवश्यकता को देखते हुयें दूसरी मोबाईल ब्रेबो कन्ट्रोल की सूचना पर मौके पर पहुंची से इलाज हेतु नजदीकी चिकित्सालय ब्भ्ब् चिनहट लखनऊ बाद हिदायत मुनासिब कर रवाना किया। अपराध करने का तरीका बताते हुए पुलिस ने कहा कि अभियुक्तगणो द्वारा अर्पित पुत्र राजकुमार हाल पता 3/96 विजयन खंड थाना गोमती नगर उम्र 34 मूल निवासी 70/3 न्यू काशीराम कॉलोनी थाना पारा जनपद लखनऊ के घर पर लूटपाट करने की योजना बना रहे थे। राकेश उर्फ छोटू जो कि अर्पित उपरोक्त का भूतपूर्व नौकर है जिसको दिनांक 20/052024 को अर्पित की गाड़ी का एक्सीडेंट कर देने के कारण अर्पित ने नौकरी से निकाल दिया था जिसके बाद राकेश सिंह उर्फ छोटू उपरोक्त के द्वारा अपने साथियों के साथ मिलकर अर्पित उपरोक्त के घर पर लूट–पाट करने की योजना बनाई जिसको अंजाम देने के लिए आज दिनांक 31/05/2024 को अपने साथी बदमाशों के साथ घटना को अंजाम देने के लिए निकल। किन्तु मुखबिर की सूचना पर राकेश सिंह उर्फ छोटू उपरोक्त को पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तारी की जा चुकी है। पुलिस मुठभेड़ में राकेश सिंह उर्फ छोटू उपरोक्त के दाहिने पैर में गोली लगी है। लूट व चोरी से प्राप्त कीमती जेवरात व अन्य वस्तु को चलते फिरते लोगो से बेच कर प्राप्त पैसे से अपना भैतिक सुख व दुनियाबी लाभ प्राप्त करने का अपराध करते है।

मतगणना कार्मिकों का प्रशिक्षण अब 3 जून को

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने अवगत कराया है कि समस्त मतगणना कार्मिकों को अवगत कराया है कि उनका द्वितीय प्रशिक्षण 2 जून 2024 के स्थान पर 3 जून 2024 को तिलकधारी इंटर कॉलेज, जौनपुर में होगा। प्रशिक्षण समय प्रथम पाली मध्यान्ह 12 बजे से, द्वितीय पाली अपरान्ह् 2 बजे से और कार्मिकों की पाली उनके प्रथम प्रशिक्षण पाली के अनुसार ही रहेगी साथ में आई कार्ड हेतु फोटो ले कर आना आवश्यक है।

तदर्थ शिक्षको का वेतन भुगतान अविलम्भ किया जाय – रमेश सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उ0प्र0मा0शि0संघ (ठकुराई गुट) के संरक्षक रमेश सिंह एवं प्रान्तीय उपाध्यक्ष डा0 राकेश सिंह की उपस्थिति में जनपदीय पदाधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज जिलाधकारी जौनपुर से मुलाकात के क्रम में उनके प्रतिनिधि नगर मजिस्ट्रेट से मिलकर वर्ष 2000 के पूर्व नियुक्त तदर्थ शिक्षकों के वेतन भुगतान हेतु जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित करने के लिए ज्ञापन सौंपा। इस सम्बन्ध में उ0प्र0मा0शि0संघ के संरक्षक रमेश सिंह ने अवगत कराया कि माननीय उच्च न्यायालय ने जनपद के विभिन्न विद्यालयों के तदर्थ शिक्षकों को सेवा में बनाए रखते हुए वेतन भुगतान का आदेश दिया है। प्रदेश के अन्य कई जनपदों में माननीय उच्च न्यायालय के ऐसे ही आदेशों पर वेतन भुगतान हो रहा है लेकिन जि0वि0नि0 जौनपुर की हठधर्मिता के चलते जनपद के शिक्षकों का वेतन भुगतान न होने से वे भुखमरी के कगार पर पहुंच चुके हैं। इसलिए जिलाधिकारी महोदय प्रकरण में हस्तक्षेप कर वेतन भुगतान सुनिश्चित करावें।

यदि इसके बाद भी जि0वि0नि0 द्वारा वेतन भुगतान नहीं किया जाता है तो संगठन जि0वि0नि0 कार्यालय में तालाबंदी के लिए बाध्य होगा , जिसका सम्पूर्ण उत्तरदायित्व जि0वि0नि0 कार्यालय का होगा। इसी कडी में प्रतिनिधिमंडल द्वारा वरिष्ठ कोषाधिकारी कार्यालय में कार्यरत शैलेन्द्र यादव जी के आज सेवानिवृत्त होने के अवसर संगठन के संरक्षक रमेश सिंह द्वारा अंगवस्त्रम एवं बुके देकर सम्मानित किया गया तथा माध्यमिक शिक्षकों के साथ उनके उत्कृष्ट व्यवहार व कार्य हेतु संगठन द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश पदाधिकारियों के साथ–साथ जिलाध्यक्ष तेरस यादव, उपाध्यक्ष राजेश सिंह मिहरांवा के साथ–साथ अन्य शिक्षक साथी उपस्थित रहे।

माता अहिल्याबाई होलकर की जयंती धूमधाम से मनाई गई

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। मराठी समाज उत्तर प्रदेश राजधानी लखनऊ में माता अहिल्याबाई होलकर उनकी जयंती बड़ी धूमधाम से मनाई गई। मराठी समाज उत्तर प्रदेश चे के संस्थापक/अध्यक्ष उमेश पाटील, कोषाध्यक्ष प्रवक्ता गजानन माने पाटील, लखनऊ अध्यक्ष सागर जाधव, महामंत्री संतोष पाटील, उपाध्यक्ष दिनेश जोशी विवेकानंद परिवार से अतुल जी, आण्णासो जानकर, उत्तम पुजारी,हनुमान पवार आदि उपस्थित थे।

पायनियर मोंटेसरी स्कूल में मस्ती की पाठशाला " समर कैम्प " का समापन

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। पायनियर मोंटेसरी इंटर कॉलेज की एल्डिको शाखा में दस दिवसीय समर कैम्प का समापन हुआ। इस अवसर पर बच्चों ने नृत्य एवं गायन की प्रस्तुतियों से सभी को भाव विभोर कर दिया । कक्षा ४ की अलिष्का के सोलो गायन ने सभी का दिल जीत लिया ।इस अवसर पर बच्चों ने ग्रुप सिंगिंग एवं ग्रुप डांस की भी प्रस्तुति दी । प्रधानाचार्या श्रीमती शर्मिला सिंह ने सभी बच्चों को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। दस दिवसीय कार्यशाला में बच्चों ने बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, योगा, पेंटिंग, डांस एवं म्यूजिक गायन में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। डॉ नीलम निगम, अभिषेक श्रीवास्तव , रीतिका तिवारी, शिवम् कुमार, ज्योत्सना सचान ने सभी बच्चों को कार्यशाला में ट्रेनिंग दी।

निम्न सावधानियां को बरते हीट वेव से बचे - सीएमओ

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए बताया है कि वर्तमान में जनपद में हीटवेब (लू) के चलते अत्यंत भीषण गर्मी पड़ रही है। हीटवेब से आम जनमानस एवं पालतू जानवरों के जीवन एवं स्वास्थ्य की रक्षा हेतु जन जागरूकता किये जाने की आवश्यकता है। अत्यधिक गर्म एवं नम वातावरणीय दशा में शरीर द्वारा पसीना निकालकर बॉडी को ठण्डा करने की प्रकृया बाधित हो जाती है। कूलिंग सिस्टम डिस्टर्ब होने के कारण शरीर का तापमान 37 C से अधिक होने लगता है जो कि सावधानी नहीं बरतने पर हीट स्ट्रोक का कारण बनता है।

लू लगने के लक्षण – सिरदर्द, मांसपेशियों में ऐंठन, हीट रैशेज (त्वचा पर लाल दाने), त्वचा का सूखापन, उल्टी एवं चक्कर आना, भ्रम, रैपिड पल्स तथा बेहोश होना, शरीर का तापमान 39.4 से अधिक हो जाना।

क्या करें– खूब पानी पियें,लस्सी, छाछ, निंबू पानी, आम का पना इत्यादि का खूब सेवन करें जिससे शरीर में पानी की पर्याप्त मात्रा बनी रहे। मौसम विभाग द्वारा जारी एलर्ट को ध्यान में रखें एवं जब तक स्थिति सामान्य नहीं हो जाती तब तक आकस्मिक परिस्थिति को छोड़कर घर से बाहर न निकलें। यदि निकलना ही पड़े तो 11 बजे से 3 बजे तक के बीच बाहर निकलने से बचें।

बाहर निकलते समय छाता लें एवं तौलिया गमछा,टोपी इत्यादि अवश्य पहनें तथा पानी की बॉटल साथ रखें। शरीर पर पहने जाने वाले वस्त्र सूती कपड़े से बने हों, सम्पूर्ण शरीर को ढंकने वाले एवं ढीले हों। शारीरिक श्रम करने वाले लोग 11 बजे से 03 बजे के बीच कार्य न करें। पालतू पशुओं को पर्याप्त मात्रा में पानी देते रहें एवं उन्हें ठण्डे स्थान पर रखें।

क्या न करें– तले भुने एवं मसालेदार खाद्य पदार्थों का सेवन न करें सुपाच्य एवं हल्का भोजन ही ग्रहण करें। दिन में 11 बजे से 03 बजे के बीच धूप में न निकलें। छोटे बच्चों को गाड़ी में दरवाजा बन्द करके न छोडें। नशीले पदार्थ,शराब एवं चाय,काफी का सेवन न करें।हीट वेब से ग्रसित होने पर क्या करें– रोगी को तत्काल ठण्डे स्थान पर लिटा दें एवं शरीर का तापमान कम करने का प्रयास करें। शरीर पर गीले कपडें से स्पंजिंग करें तथा यदि रोगी मुँह से पेय पदार्थ ले सकता हो तो उसे नमक,चीनी एवं पानी का घोल पिलाते रहें। रोगी को आराम न होने पर 108 नम्बर पर फोन कर एम्बुलेन्स को बुलाकर रोगी को तत्काल नजदीकी चिकित्सालय में ले जाकर इलाज करायें। उन्होंने जनपदवासियों से अपील है कि उपरोक्तनुसार दिये गये सुझावों का पालन करें एवं हीट वेब के प्रति सतर्क एवं सावधान रहें जिससे जनपद वासियों को भीषण गर्मी के प्रकोप से बचाया जा सके।

31 मई से 22 जून तक तम्बाकू निषेध हेतु चलाया जा रहा अभियान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर।'विश्व तम्बाकू निषेध दिवस'' के उपलक्ष्य में जन जागरूकता फैलायें जाने हेतु हस्ताक्षर अभियान का आयोजन डा0 लक्ष्मी सिंह मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जौनपुर की अध्यक्षता में कार्यालय में किया गया। इस अवसर पर मान्यवर कांशीराम इण्टर कालेज, शीतला चौकिया, जौनपुर में साक्षरताध् जागरूकता शिविर का अयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रशांत सिंह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरणध्अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, तृतीय, जौनपुर, श्रीमती सरोज सिंह एस0ओ0 महिला थाना जौनपुर एवं कालेज के शिक्षक व छात्रध्छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। डा0 राजीव कुमार नोडल अधिकारीध्अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जौनपुर द्वारा बताया गया कि 31 मई 2024 यानि आज ''विश्व तम्बाकू निषेध दिवस'' पर इस वर्ष की थीम Protecting children from tobacco industry inter ference है। तम्बाकू सेवन का व्यापक दुष्प्रभाव है। इसके सेवन से कई बीमारियां हो सकती है। लोगो को जागरुक करने के लिये प्रत्येक वर्ष 31 मई को ''विश्व तम्बाकू निषेध दिवस'' दिवस मनाया जाता है। उनके द्वारा बताया गया कि तम्बाकू सेवन से गम्भीर बिमारियां जैसे–मुख, फेफड़े का कैन्सर,बी0पी0, शुगर, नपुंसकता इत्यादि बीमारियो हो सकती है इस कारण कई लोग समय से पहले अपंग या मत्यु को प्राप्त करते है। उनके द्वारा बताया गया कि ''विश्व तम्बाकू निषेध दिवस'' के अवसर पर विभाग द्वारा जनपद में विभिन्न जागरुकता कार्यक्रम यथा शपथ अभियान, सभी सामु0ध्प्रा0स्वा0 केन्द्रोध्हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टरो/उपकेन्द्रो पर पर निःशुल्क एन0सी0डी0 जांच शिविरो का आयोजन किया जा रहा है।नोडल अधिकारी तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम डा0 राजीव कुमार द्वारा बताया गया कि 31 मई से 22 जून 2024 तक तम्बाकू निषेध हेतु अभियान चलाया जा रहा है जिसमे अभियान के दौरान समस्त जनपद के विभागों का दायित्व होगा कि वे अपने–अपने कार्यालय में तम्बाकू निषेध जनजागरूकता पर चर्चा करायें तथा जनहित में प्रचार–प्रसार करायें, प्रति सप्ताह स्वास्थ्य, पुलिस विभाग, शिक्षा विभाग आदि सार्वजनिक स्थलों पर छापेमारी करें तथा अधिनियम का उल्लघंन करने पर दोषी पायें जाने के विरूद्ध जुर्माना की कार्यवाही करें, ब्लॉक स्तरीय चिकित्सालयों में प्रतिदिन आने वालें मरीजों एवं तीमारदारों की काउन्सिलिग कर उन्हें तम्बाकू के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक करें। इस दिन का मुख्य उददेश्य सिगरेट और अन्य तरीको के माध्यम से तम्बाकू सेवन के हानिकारक स्वास्थ्य प्रभावों के बारे में लोगो मे जागरुकता फैलाना है। धूम्रपान करने की बुरी आदत से छुटकारा पाने में धूम्रपान करने वालों की मदद करना महत्वपूर्ण है। उनके द्वारा बताया गया कि लोगो को तम्बाकू सेवन से मुक्त होने हेतु जिला पुरुष चिकित्सालय जौनपुर में तम्बाकू उन्मूलन केन्द्र क्रियाशील है। आकड़े बताते है कि प्रति वर्ष साठ करोड़ वृक्षो को काटकर सिगरेट बनाया जाता है और तम्बाकू जनित उत्पादो से लगभग आठ करोड़ चालीस लाख टन कार्बन डाई आक्साइड उत्सर्जित होती है जिससे वायुमण्डल का तापमान बढ़ता है इतना ही नही सिगरेट बनाने में लगभग बाइस अरब लीटर पानी का उपयोग किया जाता है इससे न केवल पर्यावरण का खतरा उत्पन्न होता है बल्कि जल की बर्बादी होती है। उनके द्वारा बताया गया कि अगर ब्यक्ति दृढ़ इच्छाशक्ति बना ले तो वह नशा छोड़ सकता है। सभी को उक्त आभियान में सच्चे मन के साथ सक्रिय रुप से भाग लेने हेतु शपथ दिलायी गयी। इस अवसर पर एफ0एल0सी0 जय प्रकाश गुप्ता, विवेक कुमार एवं कुलदीप श्रीवास्तव एवं एन0सी0 डी0 सेल के सभी अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहें।

मण्डल रेल प्रबंधक द्वारा अजगैन एवं ट्रांसपोर्ट नगर स्टेशनों का रात्रिकालीन निरीक्षण

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। वर्तमान में पड़ने वाली भीषण गर्मी को देखते हुए इस दौरान संरक्षित एवं सुरक्षित रेल परिचालन हेतु उत्तर रेलवे, लखनऊ मण्डल द्वारा अत्यंत प्रतिबद्धता के साथ अनेक प्रयास किये जा रहे हैं ु मण्डल रेल प्रबंधक, श्री एस. एम. शर्मा ने इस विषय को अति गंभीरता से लेते हुए स्वयं इसकी कमान संभाल रखी है तथा उनके कुशल दिशा–निर्देशन में इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करते हुए मण्डल निरंतर प्रयासरत है ु इन्हीं गतिविधियों के तहत दिनांक 30 मई 2024 को मण्डल रेल प्रबंधक ने अजगैन एवं ट्रांसपोर्टनगर स्टेशनों का रात्रिकालीन निरीक्षण किया एवं स्टेशनों पर पहुंचकर वहाँ पर स्थित संरक्षा संबंधी कार्यालयों, संकेत एवं दूरसंचार कार्यालयों, पीआई कक्ष में पहुंचकर वहाँ की कार्यप्रणाली तथा अभिलेखों का निरीक्षण किया। उन्होंने गाड़ियों के संचालन का कार्य करने वाले गार्ड, ड्राइवर तथा कार्यालय में कार्यरत कर्मचारियों से संवाद करते हुए उनकी कार्य प्रणाली की जानकारी प्राप्त की तथा सभी को ग्रीष्मकाल के दौरान संरक्षित एवं सुरक्षित रेल परिचालन के प्रति सतर्क और सचेत रहते हुए कार्य करने हेतु जागरूक किया।

एकेटीयू के छात्रों को समर इंटर्नशिप करने का है अवसर

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। डॉ0 एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय अपने छात्रों को नई उभरती तकनीकी में दक्ष बनाने पर जोर दे रही है। छात्र नई तकनीकी के जानकार होंगे तो रोजगार मिलने में आसानी होगी। इस दिशा में माननीय कुलपति प्रो0 जेपी पाण्डेय के निर्देशन में विश्वविद्यालय ने सॉफ्टप्रो इंडिया कंप्यूटर टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेज कंपनी से एमओयू किया था। जिसके तहत कंपनी अब संबद्ध संस्थानों के बीटेक सीएस और आईटी ब्रांच के छात्रों को निःशुल्क ऑनलाइन समर इंटर्नशिप कोर्स कराने जा रही है।

इंटर्नशिप करने के लिए छात्रों को पांच जून तक पंजीकरण कराना होगा। यह इंटर्नशिप चार से छह सप्ताह का होगा। इसमें पिछले साल 50 प्रतिशत स्कोरिंग करने वाले छात्र हिस्सा ले सकेंगे। छात्रों को कंपनी की ओर से विशेषज्ञ प्रशिक्षण देंगे। डीन ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट प्रो0 नीलम श्रीवास्तव के अनुसार ऐसे कोर्स से छात्रों को काफी लाभ मिलता है।

हार्ट के मरीजों के लिए घातक साबित हो रही गर्मी, दो की मौत

मैनपुरी, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में बढ़ता तापमान हार्ट के मरीजों के लिए दिक्कतें खड़ी कर रहा है। बृहस्पतिवार को कोतवाली थाना क्षेत्र में एक युवक और एक महिला की हार्ट अटैक से मौत हो गई। वहीं जिला अस्पताल की इमरजेंसी में हार्ट अटैक के 11 मरीज भर्ती कराए गए। पांच मरीजों को हालत बिगड़ने पर मेडिकल कॉलेज सैफई के लिए रेफर किया गया। जिला अस्पताल की ओपीडी मे मरीजों की भीड़ रही। अस्पताल की ओपीडी में 122 मरीजों ने ब्लड प्रेशर की जांच कराई। थाना कोतवाली क्षेत्र के गांव बुर्रा निवासी पतरौल सिंह के 25 वर्षीय पुत्र अरुण कुमार को बृहस्पतिवार की सुबह अचानक छाती में तेज दर्द हुआ। परिजन उन्हें लेकर जिला अस्पताल पहुंचे यहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। थाना कोतवाली क्षेत्र के ही पुलिस लाइन निवासी नवरतन सिंह की 58 वर्षीय पत्नी विमला देवी बृहस्पतिवार को रसोई में काम कर रही थीं। अचानक उन्हें चक्कर आया और वह वहीं गिर गईं। परिजन के अनुसार उन्हें अटैक पड़ा। परिजन उन्हें लेकर जिला अस्पताल पहुंच यहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

थाना क्षेत्र के गांव नगला मई निवासी गरीबदास की 75 वर्षीय पत्नी ज्ञानश्री को सांस लेने में दिक्कत होने पर परिजन ने बुधवार को जिला अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। सीएमएस डॉ. मदनलाल का कहना था कि ज्ञानश्री को गंभीर हालत में लाया गया था जबकि दो अन्य मरीजों को मृत अवसध्था में ही अस्पताल में लाया गया था।

हमीरपुर में गर्मी का कहर– बुखार और लू से चार बुजुर्गों की मौत

हमीरपुर, संवाददाता। हमीरपुर जिले में भीषण गर्मी का कहर जारी है। गर्मी और लू से चार वृद्धों की मौत हो गई। राठ नगर के मियांपुरा मोहल्ला निवासी गनेशीलाल ने बताया कि उनके पिता रमेशचंद्र (60) भीषण गर्मी के चलते अचानक गश खाकर गिर पड़े। उन्हें सीएचसी ले गए, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। क्षेत्र के गल्हिया गांव निवासी जगतसिंह ने बताया कि बुधवार दोपहर उनके पिता विजयपाल (75) की हालत खराब हो गई। उन्हें सीएचसी ले जा रहे थे कि रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। इसी तरह औंता गांव निवासी टूटियां अनुरागी (68) को अचानक तेज बुखार आ गया। उन्हें सीएचसी में भर्ती कराया। यहां से मेडिकल कॉलेज उरई रेफर कर दिया। बेटा लालदीवान ने बताया कि मेडिकल कॉलेज उरई में इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं, कैथी निवासी छिदामी (65) की हालत खराब हो गई। बेटी संगीता ने सीएचसी में भर्ती कराया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। मृतका की बेटी ने गर्मी के कारण मौत होने की आशंका जताई है।

संक्षिप्त खबरें

बंद कमरे में दो महिलाओं की लाश मिली

आगरा, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के आगरा जिले से सनसनीखेज खबर सामने आई है। यहां बंद कमरे में दो महिलाओं के शव मिले हैं। शव तीन से चार दिन पुराने हैं। बदबू आने पर पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, आगरा थाना शाहगंज इलाके में गुरुवार को बंद कमरे में दो महिलाओं की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। दोनों ऊपरी मंजिल पर रहती थीं। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़ शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है। पुलिस जांच में जुटी है।

हादसों के बाद भी धड़ल्ले से गुजर रहे ओवरलोड ट्रक

कानपुर, संवाददाता। ट्रक और ऑटो की टक्कर में तीन महिलाओं की मौत और छह लोगों के घायल हो गए थे। घटना के दूसरे दिन पोस्टमार्टम के बाद तीनों महिलाओं के शवों को दफनाया गया। इस मौके पर भीड़ इकट्ठा रही। इलाकाई लोगों का आरोप है कि लगातार हो रहे हादसों के बाद भी बेलगाम ओवरलोड ट्रकों पर कोई अंकुश नहीं लग पा रहा है। पुलिस ट्रकों पर कार्रवाई करने से बचती है। मध्य प्रदेश के धर्मपुर थाना क्षेत्र के अमरछी गांव से ऑटो रिक्शा में नौ लोग सवार होकर नरैनी की तरफ से आ रहे थे। तभी जमवारा गांव के पास आगे जा रहे ट्रक चालक द्वारा अचानक ब्रेक लगाने से पीछे से आए तेज रफ्तार ऑटो ट्रक में घुस गया। जिससे अमरछी गांव निवासी मुन्नू बीबी (70), हाजरा (45), व कबौली गांव निवासी नूरबीबी (50) की मौत हो गई थी। गंभीर घायल शमीना, नफीसा, युनूस कानपुर में जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं। गौस मोहम्मद का इलाज सतना मध्य प्रदेश में चल रहा है। बुधवार को मुन्नू बीबी और हाजरा का पोस्टमार्टम होने के बाद देर शाम उसे गांव के कब्रिस्तान में दफनाया गया। नूरबीबी का अंतिम संस्कार कबौली गांव में किया गया। उधर, कस्बे के मुख्य चौराहे से दिन भर ओवरलोड, भारी वाहनों के निकलने का सिलसिला जारी रहा। इसको लेकर इलाकाई लोगों में रोष व्याप्त है। कहना है कि कई बार ट्रक चालक लोगों को मौत की नींद सुला चुके हैं। मौरंग से ओवरलोड होने के बाद भी इन ट्रकों की रफ्तार पर कोई नियंत्रण नहीं रहता है। पुलिस भी इन पर कोई शिकंजा नहीं कसती है।

बैंक्विट हॉल की ऊपरी मंजिल पर लगी भीषण आग

बिजनौर, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के बिजनौर में भीषण गर्मी के बीच बैंक्विट हॉल की ऊपरी मंजिल पर भीषण आग लग गई। आग लगने से मौके पर हड़कंप मच गया। सूचना पर पुलिस व फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने का प्रयास किया। दमकल कर्मी आग बुझाने में जुटे हैं। आग लगने का कारण शॉर्ट शर्किट बताया गया है। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काफी हद तक काबू पा लिया है। अभी टीम मौके पर ही मौजूद है।

नौकरी दिलाने के नाम पर 2.75 लाख रुपये की ठगी

मेरठ, संवाददाता। गांव बमनौला निवासी अमित कुमार ने एसपी को शिकायती पत्र दिया। बताया कि एक दिन उसके रिश्तेदार का साला उनके घर आया था, जिसके साथ एक व्यक्ति था। उस व्यक्ति ने स्वास्थ्य विभाग में एंबुलेंस चालक के पद पर नौकरी लगवाने की बात कही। इसके लिए 2.75 लाख रुपये मांगे। विश्वास कर उसने 43,500 रुपये आनलाइन और 2,31,500 रुपये गांव वालों के सामने नकद दे दिए। आरोपी ने उसे 108 एम्बुलेंस पर एक सप्ताह का प्रशिक्षण भी दिलाया। कहा कि जून 2023 में एंबुलेंस चालक के पद पर नौकरी दे दी जाएगी। मगर, अभी तक उसे नौकरी नहीं मिली। तकादा किया तो जान से मारने की धमकी दी है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

खेरेश्वर घाट पर फिर दो भाई डूबे, छोटे भाई की मौत बड़े को ग्रामीणों ने बचाया

कानपुर, संवाददाता। कानपुर के बिल्हौर में गुरुवार को शिवराजपुर क्षेत्र के प्रसिद्ध खेरेश्वर सरैया गंगा घाट पर सुबह स्नान करते समय युवक की डूब कर मौत हो गई। घाट पर मौजूद ग्रामीणों और स्थानीय गोताखोरों की मदद से बड़े भाई को बचा लिया गया। हालांकि, छोटे भाई की डूबकर मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने डूबे हुए युवक को शिवराजपुर सरकारी अस्पताल ले गई। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजन संतुष्ट न होने पर उसे कानपुर के प्राइवेट अस्पताल में ले गए। सुबह छह बजे मस्वानपुर कल्याणपुर से स्नान करने आए पांच दोस्तों में दो सगे भाई थे। इसमें नहाते समय छोटे भाई की गहरे जल में चले जाने के कारण डूब कर मृत्यु हो गई।

स्नान करते समय प्रशांत तिवारी और उसका बड़ा भाई मुकुल तिवारी डूबने लगे। इसमें घाट पर मौजूद लोगों की मदद से मुकुल तिवारी को डूबने से बचा लिया गया, लेकिन छोटा भाई प्रशांत तिवारी गहरे जल में समा गया। गोताखोरों ने आनन–फानन में उसे बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मृत्यु हो चुकी थी।इस घाट पर स्नान करने आए 12 दिनों में पांच लोगों की डूब कर मृत्यु हो चुकी है। 19 मार्च को रामनगर मन्धना निवासी मयंक तिवारी और ठीक दूसरे दिन 20 मार्च को अंत्येष्टि में आए जगनपुर रूरा निवासी रामजी पांडे और 24 मार्च को कस्बे के लक्ष्य बाजपेई उर्फ दीप व उसके साथी श्लोक अवस्थी की एक साथ डूब कर मृत्यु हो चुकी है।

सराफ लूटकांड के तीन लुटेरे मुठभेड़ में गिरफ्तार

फतेहपुर, संवाददाता। फतेहपुर जिले के खखरेडू में बीते 30 अप्रैल की शाम बिछियावां मोड़ पर सराफ से लूट की वारदात को अंजाम दिया गया था। गुरुवार तड़के सुबह मामले में फरार तीन लुटेरों की मुठभेड़ पुलिस से हो गई। मुठभेड़ के दौरान दो बदमाश गोली लगने से घायल हो गए। वहीं, एक को दौड़कर पकड़ लिया गया। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार राव ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि सराफ कृष्णकुमार उर्फ मुन्ना सोनी निवासी नीम टोला खागा के साथ लूट की घटना को अंजाम देने वाले तीन लुटेरे जीशान निवासी अमांव थाना खागा कोतवाली, आसिफ उर्फ मुस्ताक निवासी इजूरा थाना सुल्तानपुर घोष और तकसीर निवासी मवई थाना हथगाम बाइक से घूम रहे हैं। सूचना के बाद घेराबंदी करते हुए तड़के चार बजे करीब दामपुर–कबरे रोड पर तीनों को रुकने का इशारा किया। इस पर लुटेरों ने जान से मारने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी। बचाव में पुलिस की ओर से गोली चलाई गई, जिससे जीशान व आसिफ घायल हो गए। जिशान के दाएं व आसिफ के बाएं पैर में गोली लगी है। तकसीर को पुलिस ने दौड़ा कर पकड़ लिया।

गिरफ्तार लुटेरों ने सराफ के साथ हुई घटना स्वीकार की है। इनके पास से असलहे व लूट का सामान पुलिस ने बरामद किया है। इसके बारे में लिखापढ़ी की जा रही है। घायल लुटेरों को पुलिस ने इलाज के लिए सीएचसी, खखरेडू में भर्ती कराया है। घटना में शामिल रहा उबैद निवासी मून मुवारी थाना हथगाम अभी फरार है। पुलिस ने जल्दी ही उसे भी गिरफ्तार करने का दावा किया है।

मतगणना के लिए दो हजार पुलिसकर्मी बनाएंगे सुरक्षा घेरा

बिजनौर, संवाददाता। लोकसभा चुनाव के नतीजे आने में अब कुछ ही दिन बाकी बचे हैं। ऐसे में मतगणना कराने के लिए तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा चुका है। करीब दो हजार पुलिसकर्मियों का सुरक्षा घेरा रहेगा जबकि सात सौ कर्मचारी मतगणना कराएंगे। मतगणना के लिए दस हॉल निर्धारित किए गए हैं। इनमें आठ में ईवीएम और दो हॉल में पोस्टल बैलेट की गिनती की जाएगी। जिले में पहले चरण में बिजनौर लोकसभा और नगीना लोकसभा सुरक्षित सीट पर 19 अप्रैल को मतदान हुआ था। मतदान के बाद ईवीएम सेंट्रल वेयर हाउस में रखी गई हैं। जबकि पोस्टल बैलेट को कोषागार में रखा गया था। अब 4 जून को मतगणना होनी है। मतगणना को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस अफसरों ने तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। जिले में मतगणना के लिए मतगणना कार्मिकों को 27 मई को पहला प्रशिक्षण दिया जा चुका है। मतगणना में करीब 700 मतगणना कर्मी लगाए जाएंगे। मतगणना के दौरान हर विधानसभा में 15 मेज लगेंगी और हर मेज पर 4 मतगणना कर्मी लगाए जाएंगे। वहीं स्कैनिंग के लिए बिजनौर लोकसभा में 20 मेज और नगीना लोकसभा सुरक्षित सीट पर 10 मेज लगेंगी। प्रत्येक मेज पर 2 मतगणना कर्मी लगाए जाएंगे। बैलेट पेपर की मतगणना के लिए भी करीब 19 मेज लगेंगी। एडीएम प्रशासन विनय कुमार ने बताया कि तैयारियां चल रही हैं। मतगणना के लिए कहां कितने कर्मचारी लगेंगे, किस कक्ष में कितनी टेबल लगेंगी, सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं।

सुरक्षा में तैनात रहेंगे दो हजार पुलिसकर्मी

मतगणना स्थल का त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरा रहेगा। मतगणना स्थल के अंदर पैरामिलिट्री फोर्स तैनात रहेगी। जबकि बाहर पुलिस और पीएसी को तैनात रखा जाएगा। कुल मिलाकर करीब दो हजार पुलिस कर्मी तैनात रहेंगे।

इसके अलावा मतगणना स्थल के गेट से दो सौ मीटर के दायरे में आम लोगों को जाने की अनुमति नहीं होगी। सुबह आठ बजे मतगणना शुरू हो जाएगी। साथ ही सुबह छह बजे से मतगणना कर्मियों की एंट्री होने लगेगी।

ट्रैफिक रहेगा डायवर्ट

बता दें कि मतगणना स्थल नजीबाबाद मार्ग पर है। ऐसे में नजीबाबाद मार्ग पर मतगणना वाले दिन ट्रैफिक डायवर्ट रहेगा। सेंट मेरीज चौराहे से नजीबाबाद की ओर वाहनों को नहीं जाने दिया जाएगा। नजीबाबाद से आने वाले वाहनों को वाया मंडावर, चंदक होते हुए बिजनौर आना होगा। वहीं छोटे वाहन किरतपुर और पेदा से डायवर्ट किए जाएंगे।

मतगणना स्थल का डीएम और एसपी ने लिया जायजा

04 जून को मतगणना होनी है। ऐसे में वहां पर मतगणना में लगने वाले कर्मचारियों को गर्मी से बचाने के लिए प्रशासन तैयारियों में जुटा हुआ है। गर्मी से बचाव के लिए मतगणना कक्ष में कूलर और पंखों की व्यवस्था की जा रही है। बुधवार को भी डीएम अंकित अग्रवाल और एसपी नीरज जादौन ने मतगणना स्थल का जायजा लिया। वहां पर सुरक्षा और मतगणना व्यवस्थाओं को देखा।

वन विभाग का बाबू 10 हजार रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में पेंशन की फाइल पास कराने के नाम पर अपने ही विभाग के सेवानिवृत्त वन दरोगा से 10 हजार की घूस लेते वन विभाग के वरिष्ठ लिपिक को एंटी करप्शन की कानपुर यूनिट ने रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने 15 हजार में से 10 हजार रुपये लेने के लिए बुधवार को पीड़ित को संजय वन के पास बुलाया था। लिपिक के खिलाफ किदवईनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराकर टीम आरोपी को लखनऊ ले गई है। बर्रा–दो ईडब्ल्यूएस निवासी धीरेंद्र कुमार बाजपेई वानिकी प्रशिक्षण संस्थान (एफटीआई) में वन दरोगा के पद पर कार्यरत थे। 30 अप्रैल 2023 को सेवानिवृत्त हुए हैं। धीरेंद्र ने बताया कि 13 महीने से पेंशन पाने के लिए वह किदवईनगर स्थित एफटीआई कार्यालय में तैनात वरिष्ठ लिपिक व मूलरूप से झांसी के महावीरनपुरा नगला निवासी बृजेंद्र सिंह के यहां चक्कर काट रहे थे, लेकिन पेंशन की फाइल पास नहीं कर रहा था।

मान मनौव्वल के बाद 15 हजार में बात तय हुई

धीरेंद्र के मुताबिक 22 मई को बृजेंद्र सिंह ने मिलने कार्यालय बुलाया और फाइल पास करने के एवज में 20 हजार रुपये मांगे। काफी मान मनौव्वल के बाद 15 हजार रुपये में बात तय हुई। पहले दस और फिर पांच हजार देने पर सहमति बनी। धीरेंद्र ने 25 मई को एंटी करप्शन टीम से शिकायत कर दी।

एंटी करप्शन ने रंगेहाथ पकड़ा

टीम के कहने पर धीरेंद्र ने वरिष्ठ लिपिक से बात कर बुधवार सुबह सात बजे संजय वन के सामने बुलाया। सुबह जब आरोपी पहुंचा, तो धीरेंद्र ने फिलैन्थीन पाउडर लगे 500 के 20 नोट बृजेंद्र को थमा दिए। इस बीच टीम पहुंच गई और केमिकल से हाथ धुलवाकर उसे रंगे हाथ पकड़ लिया।

लू की चपेट में आया लोको पायलट, जिला अस्पताल में कराया गया भर्ती

महोबा, संवाददाता। महोबा जिले में भीषण गर्मी और लू का प्रकोप जारी है। झांसी से चलकर बांदा जा रही मालगाड़ी के लोको पायलट की अचानक हालत बिगड़ गई। कई बार उल्टियां होने पर अचेत अवस्था में लोको पायलट को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस दौरान करीब ढाई घंटे तक मालगाड़ी ट्रैक पर खड़ी रही। उपचार के बाद लोको पायलट की हालत में सुधार बताया जा रहा है। मालगाड़ी लेकर लोको पायलट विनोद कुमार झांसी से बांदा जा रहा था। इंजन में साथी पायलट गगन सैनी भी मौजूद था। भीषण गर्मी के चलते मालगाड़ी के इंजन का तापमान बढ़ने और लू की चपेट में आने से विनोद कुमार की हालत बिगड़ गई। रेलवे स्टेशन कुलपहाड़ के पास तबियत बिगड़ने पर उसने मालगाड़ी को खड़ा कर दिया। मामले की सूचना उच्चाधिकारियों को दी गई।

जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया

तब अधिकारियों ने मालगाड़ी महोबा स्टेशन तक पहुंचाने की बात कही। महोबा स्टेशन पर गाड़ी पहुंचने पर लोको पायलट को कई बार उल्टियां हुईं। तब उसे एम्बुलेंस की मदद से जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया।

कोई ट्रेन प्रभावित नहीं हुई

साथी पायलट गगन ने बताया कि हालत बिगड़ने से पहले विनोद करीब दस लीटर पानी पी चुका था, लेकिन लू लगने से उसकी हालत बिगड़ती चली गई। जिला अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। हालांकि, मालगाड़ी के ढाई घंटे तक ट्रैक में खड़े रहने के बाद भी कोई ट्रेन प्रभावित नहीं हुई।

मेरठ में बनेगी सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड टाउनशिप, मेडा ने खर्च किए 7.17 करोड़ रुपये, बैनामे शुरू

मेरठ, संवाददाता। दिल्ली रोड पर गांव छज्जूपुर और मोहिउद्दीनपुर में बनने वाली प्रदेश की पहली सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड टाउनशिप को पंख लगने शुरू हो गए हैं। मंगलवार को मेरठ विकास प्राधिकरण (मेडा) के पक्ष में पांच किसानों ने 0.7983 हेक्टेयर भूमि का बैनामा कर दिया। इसकी एवज में 7.17 करोड़ रुपये के चेक दिए गए हैं। शीघ्र ही करीब 300 हेक्टेयर भूमि पर बहुमंजिली इमारतें, पार्क, आईटी हब सहित अन्य सुविधाएं विकसित होंगी। बैनामे सहित अन्य खर्च मिलाकर मेडा ने 7,75,26,341 रुपये खर्च किए हैं। इसी सप्ताह अन्य आठ खसरा संख्या से जुड़े किसान भी जमीन के बैनामे कराएंगे। दूसरे फेज में कायस्थ गावड़ी और इकला गांव में बहुमंजिली इमारतें दिखाई देंगी। टाउनशिप के लिए प्रदेश सरकार ने 200 करोड़ रुपये का बजट मेडा को जारी किया है। इससे मेडा ने जमीनों की खरीद शुरू कर दी है। मंगलवार को मोहिउद्दीनपुर की खसरा संख्या 136,137,140, व 142 के किसान श्यामपाल सिंह, यशपाल सिंह, योगेंद्र सिंह व गजेंद्र कुमार सिंह और रूणा सिंह की भूमि का बैनामा किया गया।

पहले फेज में 112 हेक्टेयर जमीन का होगा अधिग्रहण

मेडा के मुख्य नगर नियोजक विजय कुमार सिंह ने बताया कि पहले फेज में 112 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण होगा। इसमें छज्जूपुर में 30.09 और मोहिउद्दीनपुर में 111.79 हेक्टेयर जमीन पर टाउनशिप विकसित होगी। इससे 750 किसान प्रभावित होंगे। वहीं, 85 हेक्टेयर जमीन के लिए 437 किसानों ने पूर्ण सहमति दे दी है। मंगलवार को पांच बैनामे किए गए हैं। शीघ्र ही आठ खसरा संख्या भूमि के भी बैनामे होंगे।

फ्लैटेड फैक्टरी लाने की भी तैयारी

मेडा के उपाध्यक्ष अभिषेक पांडेय ने बताया कि टाउनशिप में भव्य शोरूम, बहुमंजिली इमारतें, मॉल, शॉपिंग कांप्लेक्स, आईटी हब, ग्रुप हाउसिंग, कंपनियों के कार्यालय, मेडिसिटी सेंटर, इंस्टीट्यूशनल, औद्योगिक एवं अन्य प्रकार की मिक्स गतिविधियां होंगी। औद्योगिक गलियारा, जिसमें जेम्स एंड ज्वेलरी, कैंची, स्पोर्ट्स आदि उद्योग जिनको कम जगह की आवश्यकता होती है, उन्हें फ्लैटेड फैक्टरी के तौर पर भी यहां लाने की तैयारी है।

दिल्ली और एनसीआर के लोगों के लिए होगी अनुकूल

मेडा के सचिव एके सिंह ने बताया कि टाउनशिप मेरठ साउथ आरआरटीएस स्टेशन से लगभग 1.3 किमी, डीएफसी कॉरिडोर से लगभग 1.5 किमी, दिल्ली–मेरठ एक्सप्रेसवे, बस स्टेंड, हरिद्वार बाईपास से लगभग दो किमी, मोहिउद्दीनपुर रेलवे स्टेशन से लगभग 1.5 किमी, परतापुर रेलवे स्टेशन से लगभग चार किमी और मेरठ सिटी से लगभग 10 किमी की दूरी पर होगी। इसलिए यह दिल्ली और एनसीआर के लोगों के लिए अनुकूल होगी।

बढ़ सकती हैं सपा विधायक रफीक अंसारी की मुश्किलें

मेरठ, संवाददाता। मेरठ सपा विधायक रफीक अंसारी के खिलाफ मुकदमे छिपाने के आरोपों के मामले में जांच शुरू हो गई है। सीओ सिविल लाइन अभिषेक तिवारी ने सभी थाना प्रभारियों से इस मामले में रिपोर्ट मांग ली है। भाजपा नेताओं द्वारा रफीक अंसारी पर 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान दिए गए शपथ पत्र में मुकदमों की संख्या छिपाने का आरोप लगाते हुए शिकायत की गई है। वहीं जमानत के लिए उनके अधिवक्ता बृहस्पतिवार को जिला जज की अदालत में अर्जी डालेंगे। जेल में बंद रफीक अंसारी से बुधवार को परिजनों ने मिलाई की। 1992 में हापुड़ रोड पर मीट की दुकानों को लेकर अंसारी और कुरैशी बिरादरी के लोग आमने–सामने आ गए थे। भीड़ ने तोड़फोड़ करते हुए आगजनी कर दी थी। इस मामले में लिसाड़ी गेट और नौचंदी थाने में आईपीसी की धारा 147, 427 और 436 के अंतर्गत दो मुकदमे दर्ज किए गए थे। विवेचना में पुलिस ने मौजूदा पार्षद रफीक अंसारी और हाजी बुंदू को भी आरोपी बनाया था। पुलिस ने सन 1995 में 22 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र कोर्ट में दाखिल किया। रफीक अंसारी कोर्ट में पेश नहीं हुए थे, जिसके चलते सन 1997 में उनके गैर जमानती वारंट जारी हुए। इसके बाद उनके 101 गैर जमानती वारंट जारी हुए। सीआरपीसी की धारा 82 के अंतर्गत कुर्की प्रक्रिया के बावजूद भी रफीक कोर्ट में पेश नहीं हुए।

रफीक इसके खिलाफ हाईकोर्ट गए लेकिन वहां से राहत नहीं मिली। हाईकोर्ट ने डीजीपी को आदेश दिए कि रफीक अंसारी को गिरफ्तार कराकर कोर्ट में पेश कराएं। जिसके बाद एडीजी जोन डीके ठाकुर ने एसएसपी को कमेटी गठित करके गिरफ्तारी करने को कहा। सोमवार को पुलिस टीम ने विधायक रफीक अंसारी को बाराबंकी से गिरफ्तार कर लिया।

आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर लोगों ने कलक्ट्रेट में दिया धरना

शामली, संवाददाता। बाबरी थाना क्षेत्र के कैड़ी गांव में युवक पर जानलेवा हमला करने के मामले में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने के विरोध में ग्रामीणों ने कलक्ट्रेट में धरना–प्रदर्शन किया। वहीं डीएम से नहीं मिलने देने पर ग्रामीणों की पुलिस से भी नोकझोंक हुई। बाद में एसडीएम को ज्ञापन दिया गया। कैडी गांव निवासी रामपाल ने बताया कि गांव के ही लोगों ने उसके और उसके परिवार के सदस्यों पर 21 मई को हमला किया था। इस दौरान बेटा धनुष गंभीर रुप से घायल हो गया। चंदा एकत्रित कर बेटे का उपचार कराया था। बाबरी थाने में मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप है कि पुलिस ने अभी तक सिर्फ एक आरोपी रामभूल को गिरफ्तार किया है, जबकि अन्य खुले घूम रहे हैं। साथ ही परिवार को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। पीड़ितों ने तीनों फरार आरोपियों की गिरफ्तार की मांग की है। धरना देने वालों में रामपाल, शिवानी, पिंटू कुमार, बंशी, मुकुल, देविंद्र, दिनेश, मोनू आदि शामिल रहे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।